सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 18 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 01 नवंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत महोत्सव

01 नवंबर 2025

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
के कर-कमलों से
लगभग ₹14,300 करोड़

राज्योत्सव स्थल
नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

की सड़क, ऊर्जा, उद्योग, आवास, ग्रामीण और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी विकास परियोजनाओं का
शिलान्यास / उद्घाटन / लोकार्पण / राष्ट्र को समर्पण और शुभ गृहप्रवेश

शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय
₹52 करोड़

लोकार्पण

छत्तीसगढ़ के नवीन
विधानसभा भवन
₹325 करोड़

गृह प्रवेश एवं किस्त जारी
₹1,200 करोड़

- PMAY-G के तहत बने 3.51 लाख आवासों का गृह प्रवेश एवं खुशियों की चाबी का वितरण
- 3 लाख लाभार्थियों को सहायता राशि की किस्त जारी

शिलान्यास
₹7,459 करोड़

- जांजगीर-चांपा और राजनांदगांव में नया स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्र
- नवा रायपुर में फार्मास्युटिकल पार्क
- बिलासपुर के ग्राम कोनी और उसलापुर में कार्यरत महिला छात्रावास
- मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गीदम(दंतेवाड़ा) में शासकीय मेडिकल कॉलेज भवन
- बिलासपुर में शासकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं चिकित्सालय भवन
- 3 राष्ट्रीय राजमार्ग-130D और पत्थलगांव-कुनकुरी- छत्तीसगढ़/झारखंड सीमा तक चार लेन ग्रीनफील्डराजमार्ग के निर्माण एवं उन्नयन कार्य
- कांकेर में 220 के.वी और बलौदाबाज़ार-भाटापारा में 132 के.वी के विद्युत उपकेंद्र
- आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत आधारभूत संरचना का विकास कार्य

उद्घाटन
₹3,250 करोड़

- मुंगेली में 400, राजिम (गरियाबंद) और पाटन (दुर्ग) में 220, रायपुर, बेमेतरा, बिलासपुर और कोरिया में 132 के.वी. ईएचवी के कुल 7 उपकेंद्र
- बस्तर और सुकमा में 33 के.वी. उपकेंद्र
- 9 जिलों के 12 ब्लॉकों में स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम
- छत्तीसगढ़ और ओडिशा खंड (489 किमी) नागपुर-झारसुगुड़ा पाइपलाइन - (GAIL)
- नया पेट्रोलियम ऑयल डिपो (HPCL)
- अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन ट्रांसमिशन परियोजना (पावरग्रिड)

राष्ट्र को समर्पण
₹1,979 करोड़

- विभिन्न जिलों में नई 11 के.वी. और एल.टी. लाइन, ओवरलोडेड 11 के.वी. फीडर और ट्रांसफार्मर
- कंडक्टर को AB केबल में परिवर्तित करने के कार्य
- राष्ट्रीय राजमार्ग-130C मदांगमुड़ा–देवभोग–ओडिशा सीमा तक 2-लेन पेव्ड शोल्डर सड़क निर्माण कार्य

DD NEWS
कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर देखें

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

RO No- 45735/81

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

संपादकीय

घातक होगा दबाव में विदेशी खाद्यान्न हेतु बाजार खोलना

इस मुश्किल समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कहे गए ये साहसी शब्द मुझे उन दिनों की याद दिलाते हैं जब तत्कालीन कृषि मंत्री जगजीवन राम रोम में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफ्एओ) के मुख्यालय में एक बैठक से गुस्से में बाहर निकल गए थे। यदि मैं उस वक्त के कृषि सचिव डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन ने मुझसे जो कहा था, उसे सही ढंग से बता पाऊं, तो उन्होंने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी से कहा, 'भाड़ में जाए तुम और तुम्हारी हमें कृषि निर्यात बेचने की नीयत' और आगे कहा : भारत कभी भी अमेरिका से खाद्यान्न आयात नहीं करेगा।' जगजीवन राम 1974 से 1977 तक कृषि एवं सिंचाई मंत्री रहे थे। यह स्वामीनाथन का जवाब था, जब मैंने उनसे पूछा कि आजादी के बाद से लगभग सभी कृषि मंत्रियों के साथ विभिन्न पदों पर काम करने का सौभाग्य मिलने के बाद उन्हें कौन-सा कृषि मंत्री सबसे अच्छा लगा। इसलिए हमें याद रखना चाहिए कि अमेरिका हमेशा से विशाल भारतीय कृषि बाजार में पैर जमाने की हसरत रखता आया है। कोई आश्चर्य नहीं कि भारत में कृषि उत्पादों के लिए प्रवेश पाना असल में अमेरिका की विदेश नीति की एक बड़ी इच्छा रही है। ऐसा हो नहीं पाया, लेकिन हाल ही में, जब ट्रंप का धक्केशाही वाले और सनकी तरीके से टैरिफ लगाना देशों को नई विश्व व्यवस्था अपनाने को मजबूर कर रहा है, भारत ने चल रही अमेरिका-भारत व्यापार वार्ताओं में अब तो अपनी कृषि, डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्र की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। लेकिन मजबूत घरेलू लॉबियां जो सदा बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हितों के साथ खड़ी रहती हैं और वह भी आत्मनिर्भरता के नाम पर, एक बार फिर सक्रिय हो उठी हैं। अमेरिका के साथ कपास, सोयाबीन, मक्का, डेयरी, सेब और अन्य स्टोन फ्रूट्स के लिए भारतीय आयात खोलने की जिस दलील को सबके लिए जीत वाला 'रणनीतिक' व्यापार सौदा बताया जा रहा है, उसमें घरेलू हकीकतों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। अगला लक्ष्य ज़ाहिर तौर पर चावल होगा, उसके बाद गेहूं, जिसमें अमेरिका का असली हित छिपा है। नीति आयोग ने पहले ही एक वर्किंग पेपर वापस ले लिया है, जिसमें विवादित जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) सेब, मक्का और सोयाबीन को प्रवेश देने का मसौदा था, लेकिन कुछ दूसरे मुख्यधारा के अर्थशास्त्री भी हैं जो कपास पर ज़ीरो ड्यूटी इंपोर्ट की तरह दूध एवं दुग्ध प्रोडक्ट्स के लिए भी भारतीय बाजार खोलने को सही मानते हैं। बिना यह अहसास किए कि अमेरिका में उगाने वाले किसान लगभग 8,000 हैं, जिनके खेतों का औसत आकार 600 हेक्टेयर है,उन्हें आज भी सालाना 100,000 डॉलर से ज़्यादा की सब्सिडी मिलती है।

> "भारत को उन दिनों में वापस नहीं जाने दिया जा सकता जब देश का पेट भरने के लिए खाद्यान्न समुद्री जहाजों से आया करता था। भूख से आज़ादी सुनिश्चित करने से ज़्यादा ज़रूरी कुछ नहीं है, और वह भी किसी भी कीमत पर। ऐसे समय में जब अन्न फसलें गेहूं और धान की खेती अभी भी अपना वजूद बनाए हुए हैं, शेष लगभग सभी प्रमुख फसलों की चमक फीकी पड़ गई है। चाहे वह दालें हों, तिलहन (सोयाबीन सहित), कपास और मक्का, इनकी कीमतें तेजी से गिर रही हैं। खतरे की घंटियां इससे पहले इतनी ज़ोर से कभी नहीं बजीं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में बर्लिन ग्लोबल डायलॉग को संबोधित करते हुए हिम्मत भरा रुख दिखाया है कि भारत 'सिर पर बंदूक तनवाकर' सौदे नहीं करता।

इससे इनकी अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम हो जाती हैं, जिसकी वजह से विकासशील देशों के किसानों को नुकसान होता है। वहीं दूसरी ओर, भारत में 98 लाख कपास उगाने वाले किसान हैं, जिनके पास औसतन 1 से 3 एकड़ के खेत हैं। सस्ते और सब्सिडी पाए आयात से उनकी जो भी थोड़ी-बहुत कमाई है, वह भी छिन जाएगी। अगर घरेलू कपास उद्योग इसकी बजाय हमारे किसानों के साथ खड़ा हो जाए, तब यह सच में एक 'विन-विन सिचुएशन' है। आयात शुल्क को शून्य करके, भारत ने स्वेच्छा से अपने किसानों को भेड़ियों के आगे डाल दिया है। पिछले पांच सालों में, दालों की खेती का रकबा काफी कम हो गया है, जो कि 30.7 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 27.6 मिलियन हेक्टेयर हो गया है, लेकिन फिर भी ज़्यादा मांग के बावजूद; किसानों को मंडी में मिलने वाली कीमतें बढ़ी नहीं हैं। हकीकत यह है, मौजूदा कीमतें घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से लगभग 30 प्रतिशत कम हैं। उत्पादन में कमी को सस्ते आयात से पूरा किया जा रहा है; असल में यह ज़रूरत से दोगुनी मात्रा है, और कई फ्लीदार दालों (मटर नस्ल) पर आयात शुल्क शून्य है। अकेले 2024-25 में ही 7.6 मिलियन टन दालें आयात की गई हैं।

बस्तर की सुदूर बसाहटें अब मुख्यधारा से जुड़ीं

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने बदली तस्वीर

रायपुर। शासन की आदिवासी बहुल इलाकों में बारहमासी आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की कटिबद्धता के फलस्वरूप बस्तर जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के आदिवासी बसाहटें, जहां बरसात में कीचड़ और सूखे में धूल ही रास्ता हुआ करती थी, अब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) की बदौलत पक्की, चौड़ी और मजबूत सड़कों के द्वारा शहरों से जुड़ चुकी हैं। वर्ष 2000-01 से शुरू हुई इस यात्रा में अब तक डामरीकृत, सीमेंट कांक्रीट और नवोन्मेषी तकनीकों से कुल 2388.24 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है, जिस पर 856 करोड़ 80 लाख रुपये से अधिक की राशि व्यय हुई है।

ये सड़कें सिर्फ चलने की राह नहीं, बल्कि जिंदगियों को जोड़ने वाली जीवनरेखाएं हैं। जिले में वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित दरभा, बास्तानार, लोहंडीगुड़ा जैसे विकासखंडों में बनी इन सड़कों ने 1420 बसाहटों को पहली बार शहरों से सीधा संपर्क दिया। पहले जहां एक मरीज को अस्पताल पहुंचाने में घंटों की पैदल यात्रा करनी पड़ती थी, वहीं आज एम्बुलेंस गांव के आंगन तक पहुंच रही है। स्कूल जाने वाली बच्चियां, जो बरसात में किताबें बचाने के लिए प्लास्टिक में लपेटकर चलती थीं, अब बस-टैक्सी से स्कूल पहुंचती हैं। वनांचल में उत्पादित महुआ, चार, इमली, जंगली शहद और बांस से बने हस्तशिल्प अब जगदलपुर, रायपुर और बिलासपुर के बाजारों तक सीधे पहुंच रहे हैं, जिससे ग्रामीणों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही जिले में कृषि एवं उद्यानिकी उपज और साग-सब्जी आसानी के साथ बाजार तक पहुंच रही है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत जिले में कुल 451 सड़कें स्वीकृत हुईं, जिनमें से सभी पूर्ण हो चुकी हैं। पीएमजीएसवाई फेज-1 के तहत 426 सड़कें 1993.51 किलोमीटर लंबी, पीएमजीएसवाई फेज-2 के तहत 5 सड़कें 94.35 किलोमीटर और पीएमजीएसवाई फेज-3 के तहत 20 सड़कें 300.38 किलोमीटर की बनीं। इनके साथ ही 42.30 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 16 वृहद पुल भी पूरे हो चुके हैं। जिले के नदी-नालों पर बने ये पुल अब स्थानीय लोगों के लिए सिर्फ यातायात का माध्यम नहीं, बल्कि आपदा के समय जीवनरक्षक भी साबित हो रहे हैं। बाढ़ के दिनों में जहां पहले नाव ही एकमात्र सहारा होती थी, वहीं आज ये पुल गांवों को अलग-थलग होने से बचा रहे हैं।

लेकिन बस्तर में सड़कों के विस्तार की यह कहानी यहीं खत्म नहीं हो रही। वर्ष 2025-26 में पीएम-जगुआ और पीएमजीएसवाई फेज-4 के नए चरण में 295 बसाहटों का सर्वेक्षण आधुनिक जीओ सड़क ऐप और ड्रोन तकनीक की मदद से पूरा किया गया है। इनमें से बैच-1 के तहत 87 सड़कों का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर केंद्र सरकार को स्वीकृति के लिए भेजा जा चुका है। इन नई सड़कों में जलवायु अनुकूल डिजाइन, सौर ऊर्जा से संचालित स्ट्रीट लाइट और वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी शामिल की जा रही है, ताकि बस्तर का विकास टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल हो।

ग्रामीणों की जुबानी सुनें तो बदलाव साफ दिखता है। दरभा ब्लॉक के ककनार गांव की 65 वर्षीय बुधरी बाई पुराने दिनों को याद करते हुए बताती हैं कि पहले बीमारी में बेटा कंधे पर उठाकर ले गया था, अब गाड़ी आती है, दवा मिलती है, जिंदगी बचती है। तोकापाल की छात्रा कविता नाग ने बताया कि अब कॉलेज जाने में डर नहीं लगता। सड़क है, तो सपना भी पूरा होने की उम्मीद है। स्थानीय व्यापारी रामू कश्यप कहते हैं की महुआ और इमली पहले सस्ते में बिचैलिए ले जाते थे। अब खुद वाहनों से बाजार ले जाते हैं, दाम अच्छा मिलता है।

बस्तर जिले में बनी इन सड़कों ने न केवल आर्थिक गतिविधियां बढ़ाई हैं, बल्कि पर्यटन को भी नया जीवन दिया है। चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ और कुटुमसर गुफाएं अब दूरदराज के गांवों से सीधे जुड़े हैं, जिससे होमस्टे और इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिल रहा है। स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल मेडिकल यूनिट्स अब नियमित रूप से गांवों के हाट-बाजारों में कैंप लगा रही हैं, और मनरेगा के तहत रोजगार के अवसर भी सड़कों के रखरखाव से जुड़ गए हैं।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने सिर्फ सड़कें नहीं, बल्कि बस्तर के लोगों को आत्मविश्वास दिया है। यह विकास की वह नींव है, जिस पर बस्तर का भविष्य खड़ा हो रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि सड़क आई, तो रोशनी आई, शिक्षा आई, ईलाज आया और सबसे बड़ी बात उम्मीद जगी।

बस्तर अब कह रहा है हम पीछे नहीं, मुख्यधारा के साथ कदम मिलाकर चल रहे हैं। यह योजना न केवल बस्तर, बल्कि पूरे देश के लिए ग्रामीण सशक्तिकरण की एक मिसाल बन गई है।

भारत की श्रम संहिताएंः समावेशी आर्थिक विकास की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम

चंद्रजीत बनर्जी

भूमि और श्रम; भारत के विकास के आधार-स्तंभ हैं— भूमि अवसंरचना और औद्योगिक विकास को गति देती है, जबकि श्रम उत्पादकता और समावेश को बढ़ावा देता है। इस संदर्भ में, भारत की नई श्रम संहिताएं एक परिवर्तनकारी कदम को रेखांकित करती हैं, 29 कानूनों को एक आधुनिक, एकीकृत संरचना में समेकित करती हैं तथा श्रम परिदृश्य में स्पष्टता, एकरूपता और समानता सुनिश्चित करती है। श्रमिकों के लिए, ये संहिताएं मज़बूत सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्यस्थल और औपचारिक लाभों तक व्यापक पहुँच की सुविधा प्रदान करती हैं, जबकि व्यवसायों को सरलीकृत अनुपालन, कार्यबल प्रबंधन में लचीलेपन और सभी क्षेत्रों में समान अवसर का लाभ मिलता है। हालाँकि अंतिम प्रभाव कार्यान्वयन की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा, लेकिन ये संहिताएँ भारत के श्रम बाजार को 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम हैं।

जयपुर में वितरण सेवाओं से लेकर साणंद में तकनीकी भूमिकाओं और गुवाहाटी में निर्माण कार्य तक— विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कार्यबल की आकांक्षा एक-जैसी है: सुरक्षित कार्य परिस्थितियों तक पहुँच, उचित पारिश्रमिक और दूसरी जगह ले जाने योग्य एवं विश्वसनीय सामाजिक सुरक्षा। श्रमिक चाहे कारखानों में कार्यरत हों या खेतों में, या प्लेटफ़ॉर्म-आधारित सेवाओं से जुड़े हों, वे तीन प्रमुख आश्वासन चाहते हैं: आय स्थिरता, पूर्वानुमानित सामाजिक सुरक्षा और रोज़गार में सम्मान। भारत की चार श्रम संहिताएँ इस आकांक्षा को जीवंत वास्तविकता में बदलने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं, ताकि समता और सुरक्षा के सिद्धांत का कार्य जगत में अंतर्निहित होना सुनिश्चित हो सके।

सुधारों के केंद्र में है - सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार। लाखों असंगठित, गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिक, जो भारत के कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, नई व्यवस्था के तहत औपचारिक मान्यता प्राप्त करेंगे और कई सुविधाओं के पात्र बन जायेंगे। भविष्य निधि, स्वास्थ्य बीमा और मातृत्व लाभ के प्रावधान अब औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि ऐतिहासिक रूप से बहिष्कृत श्रेणियों तक इनका विस्तार हो जाएगा। यह बदलाव, न केवल कमजोर श्रमिकों के लिए सुरक्षा सुविधा को मजबूत करता है, बल्कि उद्यमों को रोज़गार को औपचारिक बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक सुरक्षा के समग्र आधार का विस्तार होता है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 औपचारिक रूप से गिग, प्लेटफ़ॉर्म और असंगठित श्रमिकों को मान्यता देती है तथा केंद्र और राज्यों को उनके लिए समर्पित सामाजिक-सुरक्षा कोष स्थापित करने की सुविधा देती है। एग्रीगेटर्स को टर्नओवर का 1-2 प्रतिशत, भुगतान का अधिकतम 5 प्रतिशत, योगदान करने के लिए बाध्य किया जा सकता है, जो गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लाभों के वित्तपोषण का एक व्यावहारिक तरीका है। आधार-आधारित पंजीकरण पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है और ई-श्रम पोर्टल में 31 करोड़ से अधिक श्रमिक नामांकित हैं। प्रत्येक श्रमिक को एक सार्वभौमिक खाता संख्या (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर, यूएएन) दी गयी है, जिसके जरिये स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व सहायता, या वृद्धावस्था पेंशन जैसे लाभों को नये कार्य-स्थल में स्थानांतरित किया जा सकता है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों। ई-श्रम रजिस्ट्री, वास्तव में, अनौपचारिक श्रमिकों के संदर्भ में भारत का पहला राष्ट्रीय डेटाबेस है— जो समावेशी विकास और आपदा सहनीयता की दिशा में एक आवश्यक कदम है। व्यवसाय सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य परिस्थितियाँ संहिता भी उतनी ही परिवर्तनकारी है, जो सुरक्षा मानदंडों को एकीकृत करती है और विशेष रूप से, महिलाओं को सहमति और सुरक्षा उपायों के साथ रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देती है। यह प्रगतिशील उपाय महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार करता है, जबकि सुरक्षा को अनिवार्य बनाए रखता है। ओएसएच संहिता लाइसेंस और निरीक्षण प्रणालियों को भी युक्तिसंगत बनाती है, जो दंड के बजाय रोकथाम की संस्कृति को बढ़ावा देने के क्रम में जोखिम-आधारित, प्रौद्योगिकी-सक्षम अनुपालन की ओर अग्रसर है। इसी तरह, वेतन संहिता सभी क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन और समय पर भुगतान व्यवस्था को सार्वभौमिक बनाती है, चाहे उनका क्षेत्र या कौशल स्तर कुछ भी हो।

औद्योगिक संबंध संहिता, विवाद समाधान तंत्र को मजबूत करने और सामाजिक संवाद को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। विवाद बढ़ने से पहले बातचीत, सुलह और मध्यस्थता को प्रोत्साहित करके, यह संहिता एक अधिक स्थिर औद्योगिक संबंध वातावरण का निर्माण करती है। इसके अतिरिक्त, ट्रेड यूनियन मान्यता और बड़े उद्यमों के लिए स्थायी आदेशों से संबंधित सरलीकृत नियम; नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों में पारदर्शिता और पूर्वानुमान में सुधार को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए हैं।

उद्यमों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए, श्रम संहिताओं का अर्थ है सरल अनुपालन: मानकीकृत परिभाषाएँ, कम रजिस्टर, डिजिटल रूप से दाखिल करना और बहुत कम अस्पष्टता। भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह वित्त वर्ष 2021-22 में 83.6 बिलियन डॉलर रहा था और वित्त वर्ष 2024-25 में यह 81 बिलियन डॉलर के साथ मजबूत स्थिति में है। इस अवधि में, भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए, जिनमें श्रम सुधारों का अधिनियमन भी शामिल है। वित्त वर्ष 2021-22 में पूंजीगत व्यय के लिए लगभग 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उच्चतम आवंटन हुआ। इसके अलावा, संस्थागत नीति, डिजिटल सुधारों, देश में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने और भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य स्थल बनाने के माध्यम से अनुपालन बोझ को कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए। इसी अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में सुधार तथा सेमीकंडक्टर उद्योग, कोयला क्षेत्र, ऊर्जा और खनिज क्षेत्र को मजबूत करने से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बाजार में देश की स्थिति को और मजबूत करने में योगदान मिला। फिर भी, कानून पारित करना केवल आधी यात्रा है। श्रम समवर्ती सूची का विषय है, जिसका अर्थ है कि केंद्र और राज्य दोनों को कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने और अधिसूचित करने होंगे। हालाँकि अधिकांश राज्यों ने चारों संहिताओं के अंतर्गत नियमों का मसौदा तैयार कर लिया है, लेकिन अंतिम अधिसूचना जारी करने की गति असमान बनी हुई है। एक राष्ट्र, एक श्रम कानून व्यवस्था के विज़न को साकार करने के लिए, यह आवश्यक है कि केंद्र और सभी राज्य कार्यान्वयन की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ें। पहला, असंगठित श्रमिकों के कवरेज को क्रियान्वित करना। एग्रीगेटर्स के लिए अंशदान दरों की सूचना देना, पारदर्शी नामांकन और लाभ-वितरण प्रणालियाँ स्थापित करना तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाना। प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों के लिए सिंगापुर के केंद्रीय भविष्य निधि (सीपीएफ) जैसे अंतर्राष्ट्रीय मॉडल, मूल्यवान जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

प्रबोधिनी एकादशी

आओ घर-आँगन महकाएँ।
पूजन कर शुभ दीप जलाएँ।।
गाएँ मंगलगान बधाई।
कार्तिक शुभ प्रबोधिनी आई।।

मंडप ईख सजाओ न्यारे।
हरि वृंदा सह खड़े सहारे।।
शंखनाद शुभ घट जल बरसे।
धरती-अंबर जन-जन हरसे।।

भाँति-भाँति के द्रव्य सजाएँ।
श्री हरि-वृंदा ब्याह रचाएँ।।
जय-जय जय हे तुलसी माते।
वंदन कर 'सुषमा' गुण गाते।।

माँ वृंदा औषध गुण धानी।
सत्यवती मैया सुखदानी।।
चरण नमन कर शीश झुकाऊँ।
माँ तुलसी तेरे गुण गाऊँ।।

श्री हरि सिर धारण शुभ करते।
बिन तुलसी मुख भोग न धरते।।
शरण तुम्हारे जो भी आए।
सारे दुख-संताप मिटाए।।

विष्णु शिला प्रभु रूप निराला।
जीवन में हो देव उजाला।।
शुभाशीष वर हमको मिलता।
कष्ट कटे अरु जीवन खिलता।।

पूजन कर शुभ फल हम पाते।
सुख-समृद्धि धन वैभव आते।।
धन्य-धन्य हे तुलसी माई।
पावन गाथा जग में छाई।।

वृंदा हरि शुभ पग हैं धरते।
वेदों के स्वर मन को हरते।।
धूप-दीप अरु सुमन चढ़ाएँ।
मंगल गीत सभी मिल गाएँ।।

-सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर)

गरीब की दीपावली आत्मनिर्भरता एवं गरीब कल्याण

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 3-4 माह पूर्व से स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का आग्रह देशवासियों से कर रहे हैं । वैसे तो 2014 में उनकी सरकार बनने के बाद उन्होंने मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड जैसे संकल्पों के आधार पर भारत को विदेशी निर्भरता कम करने एवं आत्मनिर्भरता अपनाने का मंत्र दिया था । इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए कोरोना काल में वोकल फॉर लोकल का उद्घोष भी उन्होंने किया । विश्व में अस्थिर होती अर्थव्यवस्थाओं का परिणाम भारत पर भी पड़ेगा, इस दूरदृष्टि के आधार पर उन्होंने स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता को अपनाने का संकल्प पुनः देशवासियों के सम्मुख दोहराया । 15 अगस्त के अपने भाषण मन की बात तथा अलग-अलग स्थानों पर होने वाले अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अलग-अलग प्रकार से स्वदेशी का आह्वान किया । देश भर में 2-3 माह का यह समय उत्सवों का कालखंड रहता है । गणेश उत्सव, विजयदशमी, दीपावली, छठ पूजा एवं उससे जुड़े अनेक धार्मिक उत्सव, कुछ प्रदेशों में उनके अपने नव वर्ष का प्रारंभ, मुस्लिम समाज में मनाया जाने वाला ईद जैसे त्यौहार समाज में उत्साह एवं उमंग का संचार करते हैं । घरों में प्रकाश, परस्पर शुभकामनाओं के लिए भेंट, मिष्ठान वितरण, नए वस्त्रों का पहनना एवं एक दूसरे को उपहार देना समाज का स्वाभाविक चलन है । इस कालावधि में 2 अक्टूबर महात्मा गाँधी जी की जयंती खादी दिवस के रूप में भी मनायी जाती है । समाज की यह परंपरा एवं उत्साह स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता का आधार बने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आह्वान किया कि नया समान स्वदेशी ही खरीदेंगे, घर सजाएंगे स्वदेशी से, जिंदगी बढ़ाएंगे स्वदेशी से। एक दूसरे स्थान पर उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव में स्वदेशी उत्पाद, उपहार वही जो भारत में बना हो, पहनावा वही जो भारत में बुना हो, सजावट वही जो भारत में बने सामान से हो, रोशनी वही जो भारत में बने सामान से हो । श्रम एवं श्रमिक वर्ग को महत्त्व प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि पैसा किसी का सामान हमारा, जो प्रोडक्शन होगा उससे महक मेरे देश की मिट्टी की होगी, मेरे भारत माँ की होंगी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान केवल भावनात्मक नहीं, इसके पीछे समाज के आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से पिछड़े समाज के आर्थिक सशक्तिकरण का ही था । प्राचीन भारतीय समाज एक स्वावलंबी इकाई के स्वरूप में कार्य करता था एवं प्रत्येक वर्ग का कार्य भी परंपरा के रूप में निर्धारित था । महात्मा गाँधी जी ने हिंद स्वराज पुस्तक में इसका उल्लेख भी किया है । इन त्योहारों में उपयोग होने वाली आवश्यक वस्तुओं का यदि हम अध्ययन करते हैं तब हमको स्मरण आएगा कि यह समाज के जनसंख्या की दृष्टि से अधिकतम वर्ग अति पिछड़ा एवं दलित वंचित-समाज द्वारा निर्मित होते हैं । यह वर्ग पिछड़े वर्ग का 50प्रतिशत से भी अधिक भाग है । जैसे दीपावली पर उपयोग होने वाले दीपक, खादी एवं हथकरघा की बनी वस्तुएं, मोमबत्ती, पटाखे, पुष्प मालाएं, खिलौना, पूजा की सामग्री, जूते, आभूषण, ज्वेलरी, मिष्ठान आदि सामान कुम्हार (प्रजापति), चर्मकार ,कुटीर एवं लघु उद्योगों में कार्य करने वाली महिलाएं, छोटे कारीगर, जनजाति समाज द्वारा वनोपज से निर्मित स्थानीय उत्पाद, ज्वेलरी बिकती है बड़े प्रतिष्ठानो में पर उसके निर्माण में लगने वाले स्थानीय कारीगर एवं कारीगरी के लिये जाने वाले बंगाल के शिल्पकार संपूर्ण देश में मिलते हैं । छोटे-छोटे उत्पादो को ठेले, रेहड़ी-पटरियों पर बेचकर अपना अर्थोपार्जन करने वालो का त्यौहार इसी आमदनी से मनाया जाता है । कलांतर में यह सभी समान विदेशों से आयात होने के कारण, गरीब का रोजगार छिन गया । खिलौने, झालर, पटाखे एवं साज-सज्जा के सभी समान पर विदेशी बाज़ार का कब्जा हो गया । जिसके कारण गरीब की दीपावली भी गरीबी में चली गयी । दीपावली 2025 के अब तक के सीएआईटी (कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) के सर्वेक्षण के अनुसार 5.40 लाख करोड़ का व्यवसाय व्यापारिक गतिविधियों के द्वारा हुआ जो कि 2024 में कुल 4.25 लाख करोड़ था ।

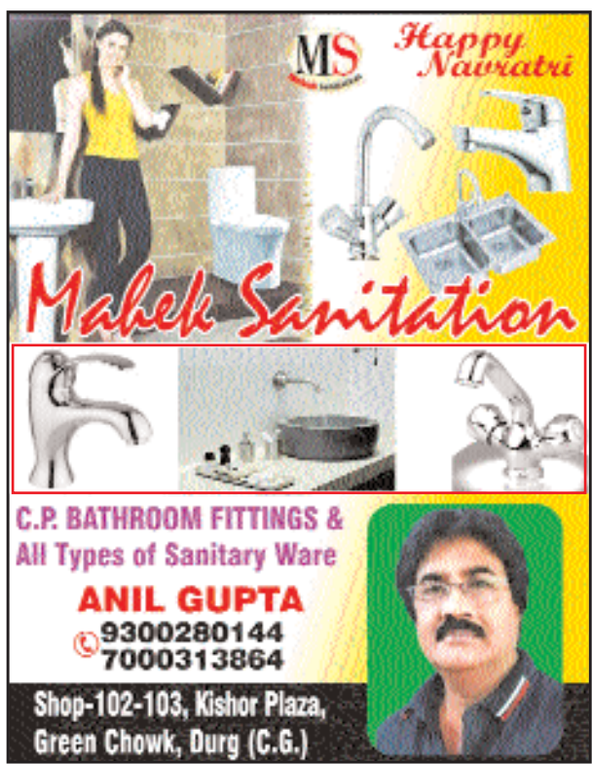

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़
शनिवार, 01 नवंबर 2025

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

सेक्टर-9 अस्पताल में विश्व रेबीज दिवस एवं सप्ताह 2025 मनाया गया

भिलाई। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र ने विश्व रेबीज दिवस एवं सप्ताह 2025 को रेबीज की रोकथाम और नियंत्रण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रभावशाली कार्यक्रमों की श्रृंखला के साथ मनाया। यह आयोजन तत्कालीन कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. रविंद्रनाथ एम. के मार्गदर्शन में, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारीगण (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, डॉ. उदय कुमार तथा तत्कालीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. सौरभ मुखर्जी के सहयोग से संपन्न हुआ।

सप्ताहभर चले इस अभियान की शुरुआत बाल रोग वार्ड में विशेष जागरूकता सत्रों से हुई, जिसके बाद अस्पताल के फार्मेसी, आपातकालीन कक्ष और ओपीडी में इंटरैक्टिव कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस पहल को जेएलएन चिकित्सालय के साथ-साथ अपोलो कॉलेज ऑफनर्सिंग, अंजोरा, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, मर्रा (पाटन ब्लॉक) तथा राजहरा माइंस अस्पताल में भी आयोजित किया गया, जहाँ छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय को रेबीज से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। बाल रोग विभाग की टीम और गुणवत्ता प्रबंधन विभाग (क्यूएमडी) ने इन गतिविधियों के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।

जिले में विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक एवं आधार अपडेशन कार्य निरंतर जारी

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार 29 अक्टूबर से 08 नवम्बर 2025 जिले के चिन्हित सभी शासकीय व अशासकीय स्कूलों में मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार अपडेशन का कार्य 29 अक्टूबर से निरंतर चल रहा है। 30 अक्टूबर को 1642 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन तथा 292 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन किया गया। शुक्रवार को 34 केन्द्रों में शिविर लगाया गया, जिसमें 2043 विद्यार्थियों का मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन तथा 256 विद्यार्थियों का आधार अपडेशन किया गया।

मेरिट अभ्यर्थियों की सूची एवं समय सारणी जिले की वेबसाइट में अपलोड

दुर्ग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा भर्ती हेतु दिनांक 11.01.2025 के माध्यम से 38 पद हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया। सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी से मिली जानकारी अनुसार उक्त विज्ञापित पदों में से 22 पदों हेतु दस्तावेज सत्यापन एवं लिखित/कौशल परीक्षा के लिए संवर्गवार मेरिट अभ्यर्थियों की सूची तथा परीक्षा समय सारणी तिथि की सूचना को दुर्ग जिले के विभागीय वेबसाईट www.durg.gov.in में अपलोड की गई है। विस्तृत जानकारी दुर्ग जिले की वेबसाईट durg.gov.in में देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

पीएम मोदी ने किया शंति शिखर का उद्घाटन, बोले-विकसित भारत की यात्रा में ब्रह्माकुमारी जैसी संस्था की बड़ी भूमिका

अब तक कुल तीन लोगों की गिरफ्तारी, साइब क्राइम यूनिट संग संयुक्त कार्यवाही

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस में शामिल होने रायपुर पहुंचे हैं। वे नवा रायपुर में सत्य साईं हॉस्पिटल में 2500 बच्चों से बातचीत की। इस दौरान मोदी ने एक बच्चे को गले लगाया। ये वही बच्चे हैं, जिनकी हार्ट सर्जरी सत्य साईं हॉस्पिटल में हुई है। इसके बाद पीएम मोदी ने नवा रायपुर में ब्रह्माकुमारी के 'शांति शिखर' का उद्घाटन किया, जो आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान का एक आधुनिक केंद्र है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में ब्रह्माकुमारी जैसी संस्था की बड़ी भूमिका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के अवसर पर रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल आदि ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'दिल की बात' कार्यक्रम के तहत नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में 'गिफ्ट ऑफ लाइफ' समारोह में जन्मजात हृदय रोगों का सफ्लतापूर्वक इलाज करा चुके 2500 बच्चों से बातचीत की। इसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में रोड शो किया।

तीजन बाई का हाल जाना

राजधानी पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पद्म विभूषण तीजन बाई और साहित्यकार पद्म भूषण विनोद कुमार शुक्ल का हालचाल भी जाना। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा आज का दिन बहुत विशेष है। आज हमारा छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है। छत्तीसगढ़ के साथ ही झारखंड और उत्तराखंड के भी 25 वर्ष पूरे हुए हैं। आज देश के और भी कई राज्य अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं। मैं इन सभी राज्यों के निवासियों को स्थापना दिवस को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

'मैं यहां अतिथि नहीं हूं, मैं आपका ही हूं'

पीएम मोदी ने कहा, 'राज्य के विकास से देश का विकास के मंत्र पर चलते हुए हम भारत को विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं। विकसित भारत की इस अहम यात्रा में ब्रह्माकुमारी जैसी संस्था की बहुत बड़ी भूमिका है। मैं बीते कई दशकों से आप सबके साथ जुड़ा हुआ हूं। मैं यहां अतिथि नहीं हूं, मैं आपका ही हूं। दिल्ली आने के बाद भी आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़ा अभियान हो, स्वच्छ भारत अभियान हो या फिर जल जन अभियान, इन सबसे जुड़ने का मौका हो। मैं जब भी आपके बीच आया हूं, मैंने आपके प्रयासों को बहुत गंभीरता से देखा है। मैंने हमेशा देखा है, यहां शब्द कम सेवा ज्यादा है।'

हमारे यहां आचारण ही सबसे बड़ा धर्म है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे यहां कहा जाता है, 'आचार: परमो धर्म आचार: परमं तप:। आचार: परमं ज्ञानम् आचरात् किं न साध्यते' अत: आचारण ही सबसे बड़ा धर्म है, आचरण ही सबसे बड़ा तप है और आचरण ही सबसे बड़ा ज्ञान है। आचरण से क्या कुछ सिद्ध नहीं हो सकता। यानी बदलाव तब होता है जब अपने कथन को आचरण में भी उतारा जाए और यही ब्रह्माकुमारी संस्था की आध्यात्मिक शक्ति का स्रोत है। पीएम ने कहा, 'प्रधानमंत्री बनने के बाद मैं जहां भी गया, एक भी हवाई अड्डा या देश ऐसा नहीं रहा जहाँ मैंने ब्रह्माकुमारीज़ के लोगों को न देखा हो। शक्ति की आराधना करते हुए, मैं हर जगह आपकी शक्ति का अनुभव करता हूं।'

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक संस्कृति के अनुरूप पूजा-अर्चना कर राज्य की धरोहर, संस्कृति, मातृशक्ति और स्वाभिमान की प्रतीक छत्तीसगढ़ महतारी को नमन किया। छत्तीसगढ़ महतारी हमारी अस्मिता, आस्था और गर्व का प्रतीक हैं।

सीएम साय ने कहा कि यह भूमि मातृशक्ति की आराधना वाली भूमि है और छत्तीसगढ़ महतारी के आशीर्वाद से ही प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार आम जनता के जीवनस्तर में सुधार, महिला सशक्तिकरण, कृषि विकास, युवाओं को रोजगार, आदिवासी समाज की उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि रजत जयंती वर्ष प्रदेश के लिए नई ऊर्जा और संकल्प

का प्रतीक है। आज का दिन विशेष रूप से गौरव का क्षण है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज छत्तीसगढ़ आगमन है और राज्य स्थापना दिवस पर अनेक ऐतिहासिक कार्यक्रम होने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दी राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएँ दी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रकृति और संस्कृति के प्रति समर्पित छत्तीसगढ़ आज प्रगति के नए मानदंड स्थापित कर रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि जो क्षेत्र कभी नक्सलवाद से प्रभावित थे, वे अब विकास की दौड़ में अग्रसर हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ के मेहनती और प्रतिभाशाली लोग अपनी लगन और उद्यमशीलता से 'विकसित भारत' के विज़न को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा 'छत्तीसगढ़ के अपने सभी भाई-बहनों को राज्य के स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ की अनेकानेक शुभकामनाएँ। प्रकृति और संस्कृति को समर्पित यह प्रदेश आज प्रगति के नित-नए मानदंड गढ़ने में जुटा है। कभी नक्सलवाद से प्रभावित रहे यहां के कई इलाके आज विकास की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मुझे भरोसा है कि यहां के मेहनती और हुनरमंद लोगों की लगन और उद्यम से हमारा यह राज्य विकसित भारत के विजन को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा।'

आकाशवाणी के 25 वर्ष पूरे, मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

■ छत्तीसगढ़ की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में आकाशवाणी की भूमिका अत्यंत सराहनीय - सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ में आकाशवाणी समाचार के प्रादेशिक बुलेटिन की 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना हुई थी, उसी दिन आकाशवाणी समाचार के प्रादेशिक बुलेटिन की शुरुआत ने छत्तीसगढ़ की जनभाषा और संवाद परंपरा को नई दिशा देने वाला अध्याय जोड़ा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आकाशवाणी समाचार ने इन 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा के हर पड़ाव को अपनी आवाज दी है। प्रारंभ में हिंदी में शुरू हुआ यह बुलेटिन आज चार भाषा और बोलियों — हिंदी, छत्तीसगढ़ी, हल्बी और गोंडी — में समाचार और समसामयिक कार्यक्रम प्रसारित कर रहा है। यह बहुभाषिक प्रसारण छत्तीसगढ़ की भाषाई विविधता और सांस्कृतिक अस्मिता को सम्मान देने का सशक्त उदाहरण है।

सदैव 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के अपने ध्येय वाक्य को किया आत्मसात

उन्होंने कहा कि आकाशवाणी समाचार ने सदैव 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के अपने ध्येय वाक्य को आत्मसात करते हुए, शहरी, ग्रामीण और जनजातीय इलाकों में लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास, सुशासन और लोककल्याण की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में आकाशवाणी समाचार का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आकाशवाणी समाचार आने वाले वर्षों में भी अपनी निष्पक्षता, संवेदनशीलता और लोकाभिमुख दृष्टिकोण के साथ जनसेवा के इस दायित्व को और अधिक सशक्त रूप से निभाता रहेगा।

इंटरनेट पर छाई संजय सिंह की गजलें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट और स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल) नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पदों पर रहे प्रसिद्ध गायक, संगीतकार एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कलाकार संजय सिंह की गाई गजलें सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर धूम मचा रही हैं। इसके साथ ही संजय सिंह पाडकास्ट के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं।

मशहूर शायर सरफराज़ मक़दम की लिखी गजल 'इश्क' को संजय सिंह ने गाया और संगीतबद्ध भी किया है। 'इश्क' शीर्षक से जारी गजलों के इस एल्बम की शूटिंग उत्तराखंड स्थित जिम कॉर्बेट के पास एक रिसोर्ट में की गई है। इंटरनेट पर उनकी इन गजलों को खूब पसंद किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि संजय सिंह, सेल के कॉर्पोरेट कार्यालय, दिल्ली से सेवानिवृत्त होने से पूर्व लगभग 26 वर्षों तक भिलाई स्टील प्लांट में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे हैं। गजल 'इश्क' के बारे में संजय सिंह ने बताया कि इसके लिखने वाले मशहूर शायर सरफ़राज़ मक़दम दक्षिण अफ्रीका के एक बड़े व्यापारी

होने के साथ-साथ स्क्रिप्ट राइटर भी है। इसी तरह संजय सिंह की एक और गजल 'बचपन' भी तारीफ बटोर रही है। शिब्ली आजाद की लिखी इस गजल में बचपन की यादें और ग्रामीण जीवन को उकेरा गया है।

इसके अलावा संजय सिंह ने एक पॉडकास्ट के सीरीज की शुरुआत की है , जिसमे वे बॉलीवुड की बड़ी हस्तियों पर बात कर रहे हैं। उनका ऐसा पहला पॉडकास्ट महान गायक मुकेश पर हुआ है जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में संजय सिंह को संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनिसेफने विशिष्ट मान्यता प्रमाण पत्र एवं शील्ड से भी सम्मानित किया है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर यूनिटी मार्च का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले में खेल एवं युवा कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर यूनिटी मार्च (पद यात्रा) आयोजित की गई। यूनिटी मार्च कार्यक्रम में दुर्ग सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही नगर पालिक निगम दुर्ग महापौर अलका बाघमार तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, नगर पालिक निगम दुर्ग आयुक्त सुमित अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग सुखनंदन राठौर भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल एवं महापौर अलका बाघमार एवं अन्य अतिथि द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप

प्रज्वलित कर किया गया। समस्त उपस्थित अतिथियों व नागरिकों को की आत्मनिर्भर भारत की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाकर सरदार वल्लभ भाई पटेल चौक से रवाना किया गया। यूनिटी मार्च प्रारंभ स्थल से गांधी चौक से मुड़ कर उतई ऑटो स्टैण्ड, गौरव पथ सुराना कॉलेज, शीतला मार्केट होते हुए जेल तिराहा से विवेकानंद सभागार में पहुंच कर समाप्त हुई।

जहां अतिथियों का उद्बोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पंचायत दुर्ग उपाध्यक्ष पवन शर्मा, जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष कृतिका, जनपद पंचायत दुर्ग अध्यक्ष कुलेश्वरी सुखदेव देवारापन, जनपद पंचायत धमधा अध्यक्ष नेमन साहू, जिला पंचायत दुर्ग पूर्व अध्यक्ष माया बेलचंदन, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर, जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा, आरआई पुलिस लाईन दुर्ग नीलकंठ वर्मा, थाना प्रभारी पद्मनाभपुर राजकुमार लहरे उपस्थित हुए थे।

इसी प्रकार उक्त पद यात्रा में बड़ी संख्या में जिले के स्कूल छात्राओं, व्यायाम निर्देशकों, एनसीसी, स्काउट गाईड, रेडक्रास, प्रशिक्षकों, खेल संघ के पदाधिकारी/राष्ट्रीय/राज्य स्तर के खिलाड़ियों, कार्यकर्तागणों एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। उपर्युक्त आयोजन में यातायात पुलिस द्वारा सुचारु यातायात व्यवस्था एवं नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा पेयजल व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सक एवं एम्बुलेस व्यवस्था की सेवाएं उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में तनवीर अकोल, भूपेन्द्र कुमार हिरवानी, भरत ताम्रकार ईश्वरी देशमुख, सुजित यादव महेश यादव का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक विलियम लकड़ा व ममता ध्रुव द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिलाई शपथ

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज कलेक्टोरेट के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिला कार्यालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करने और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करने की शपथ दिलायी। सभी ने अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प लिया। इस अवसर पर योगिता देवांगन, विरेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थॉमस सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

उद्योग एवं श्रम मंत्री देवांगन ने दी 1 नवंबर छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने 1 नवंबर को मनाए जाने वाले छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। स्वर्गीय वाजपेयी जी की परिकल्पना को साकार करने की ओर अग्रसर मंत्री श्री देवांगन ने अपने संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। राज्य सरकार इसे रजत जयंती वर्ष मना रही है. उन्होंने राज्य के निर्माता, देश के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को नमन करते हुए कहा कि उनकी जिस परिकल्पना के साथ राज्य का निर्माण हुआ था, आज छत्तीसगढ़ उस दिशा में निरंतर और तेज़ी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के बाद से छत्तीसगढ़ ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। श्री देवांगन ने बताया कि राज्य सरकार आदिवासियों, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्ग के लोगों तक उनके अधिकार और लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्धता से लगातार काम कर रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि राज्य स्थापना दिवस के इस पावन अवसर पर, हम सब मिलकर प्रदेश को आगे ले जाने और विकास का नया अध्याय लिखने का संकल्प लें।

वीरगाथा प्रोजेक्ट व एकता दिवस के अवसर पर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रायपुर। माध्यमिक शाला बालक रामानुजनगर में वीरगाथा प्रोजेक्ट 5.0 के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा देश के वीर महापुरुषों की जीवन गाथाओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में छात्रों ने महापुरुषों की जीवनी को आधार बनाकर उनके आदर्शों, देशभक्ति और त्याग के भाव को विस्तार से प्रस्तुत किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने वीर सपूतों और राष्ट्र नायकों के चित्र बनाकर उनके योगदान को रेखांकित किया। चर्चा के माध्यम से बच्चों ने स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान एवं समाज में दिए गए संदेशों को साझा किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व और उनके द्वारा की गई देश की एकता एवं अखंडता के कार्यों को अपने चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधान पाठक प्रकाश कुमार, शिक्षक बिहारी लाल साहू एवं वर्षा सिंह ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि वीरगाथा प्रोजेक्ट जैसे प्रयास छात्रों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना का विकास करते हैं। विद्यालय परिसर में संपन्न इस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने सृजन से यह संदेश दिया कि नई पीढ़ी अपने वीर नायकों के कार्यों से प्रेरणा लेकर देश निर्माण में योगदान देने को तत्पर है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की घोषणा पर तुरंत अमल

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की घोषणा पर त्वरित अमल करते हुए विभाग ने राज्य के पांचों संभागीय मुख्यालयों में सरदार पटेल की मूर्ति स्थापित करने और सौंदर्यीकरण के लिए 50-50 लाख रुपए की प्राविधिक मंजूरी दे दी है। श्री साव ने आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर रायपुर के अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में पांचों संभागीय मुख्यालयों में सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की थी। उनकी घोषणा के कुछ ही घंटो के भीतर नगरीय प्रशासन विभाग ने इसके लिए राशि स्वीकृत करने का प्राविधिक आदेश जारी कर दिया। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में नगरीय प्रशासन विभाग ने पांचों संभागीय मुख्यालयों रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, दुर्ग और जगदलपुर में लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भव्य प्रतिमा का लगाने का निर्णय लिया है। अधोसंरचना मद से कुल ढाई करोड़ रुपए की राशि मंजूर कर दी है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्रूटोला का लोकार्पण

शहीद गणेश कुंजाम के नाम से जाना जाएगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्रूटोला, आवास एवं बांऊड्रीवॉल निर्माण के लिए 01 करोड़ 05 लाख रूपए की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने चारामा विकासखण्ड के ग्राम कुर्रूटोला में 57 लाख 96 हजार रुपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया है। यह स्वास्थ्य केंद्र कुर्रूटोला सहित आसपास के लगभग 10 किलोमीटर क्षेत्र के ग्रामों- कुर्रूटोला, डेढ़कोहका, गिधाली, रतेडीह, तिरकादंड, कहाड़गोंदी, आंवरी, मुड़खुसरा, ऊंकारी, चुचरूंगपुर, चपेली, साल्हेटोला इत्यादि 12 ग्रामों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी।

कार्यक्रम को स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में आकर अत्यंत खुशी होती है, यहां की संस्कृति अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने कहा कि पूर्व में बस्तर में मलेरिया से होने वाली मौतें आम थीं, लेकिन बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण इस वर्ष मलेरिया से कोई भी मृत्यु दर्ज नहीं हुई है। श्री जायसवाल ने बताया कि प्रदेश में 57 नई मोबाइल मेडिकल यूनिट्स प्रारंभ की जा रही हैं, जो दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगी, कांकेर जिला को भी इसका लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि बस्तर के दुर्गम क्षेत्रों में एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती, वहां बाइक एम्बुलेंस की सुविधा पूर्व की भांति फिर से उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जायसवाल ने कार्यक्रम के दौरान गलवान घाटी में देश के लिए शहीद हुए ग्राम गिधाली निवासी शहीद गणेश कुंजाम के माता-पिता को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्रूटोला को शहीद गणेश कुंजाम के नाम से समर्पित करने की घोषणा की। साथ ही डॉक्टर और नर्सों के आवास हेतु 84 लाख रुपये की लागत से जी-टाईप क्वार्टर तथा स्वास्थ्य केंद्र परिसर में बाउंड्री वाल निर्माण के लिए 21 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा भी की। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ. पी. शंखवार ने बताया कि केंद्र में चिकित्सा अधिकारी के साथ-साथ आर.एम.ए., स्टाफ नर्स तथा लैब तकनीशियन की पदस्थापना की गई है।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि चारामा विकासखण्ड के लगभग 98 प्रतिशत ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। इस दौरान मंत्री जायसवाल ने स्वास्थ्य केंद्र का अवलोकन किया तथा प्रयोगशाला, आपातकालीन वार्ड, पुरुष एवं महिला अंत: रोग वार्ड, प्रसव कक्ष और नेत्र परीक्षण कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने उपलब्ध सुविधाओं की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया।

79 हजार से अधिक श्रमिकों के खातें में 25 करोड़ 61 लाख से अधिक रूपए अंतरित किए जाएंगे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ राज्य स्थापना दिवस एवं रजत जयंती वर्ष के अवसर पर राज्य सरकार ने श्रमिकों के हित में ऐतिहासिक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत श्रमिकों को राज्य निर्माण के रजत जयंती के अवसर पर 25 करोड़ 61 लाख 4 हजार 745 रूपए सहायता राशि उनके बैंक खातों में डीबीटी के जरिए अंतरित कर दी गई है। श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मार्गदर्शन में मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह द्वारा डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों के खातें में एक नवंबर 2025 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर अंतरित की जाएगी। श्रम विभाग के सचिव सह श्रमायुक्त हिमशिखर गुप्ता ने बताया कि श्रम कल्याण मंडल द्वारा संचालित 16 योजनाओं के अंतर्गत 79 हजार 175 हितग्राहियों को 25 करोड़ 61 लाख 4 हजार 175 रूपए की राशि प्रदान की जाएगी।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के संचिव गिरीश रामटेके ने बताया कि दीदी-ई रिक्शा सहायता योजना के अंतर्गत 15 हितग्राहियों को 15 लाख रूपए, निर्माण श्रमिकों के बच्चे हेतु गणवेश एवं पुस्तक कॉपी सहायता योजना के अंतर्गत 29 हजार 348 श्रमिकों को 5 करोड़ 49 लाख 5 हजार रूपए डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों के खातें में एक नवंबर 2025 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर अंतरित की जाएगी। इसी प्रकार मिनीमाता महातारी जतन योजना के अंतर्गत 1804 श्रमिकों को 3 करोड़ 88 लाख 98 हजार रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के तहत् 4213 श्रमिकों को 63 लाख 19 हजार 500 रूपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना 248 हितग्राहियों को 2 करोड़ 48 लाख रूपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत् 725 श्रमिकों के बच्चों को 57 लाख 96 हजार 972 रूपए डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों के खातें में एक नवंबर 2025 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के अंतर्गत 2539 श्रमिकों को 5 करोड़ 7 लाख 80 हजार रूपए, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत् 34 हजार 212 श्रमिकों के बच्चों को 6 करोड़ 77 लाख 25 हज़ार 500 रूपए, 5 लाख 56 हजार रूपए डीबीटी के माध्यम से श्रमिकों के खातें में एक नवंबर 2025 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर अंतरित की जाएगी।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य हेतु छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की पहल

हेल्पलाइन के माध्यम से विद्यार्थियों को मिल रही मानसिक सहयोग और मार्गदर्शन की सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

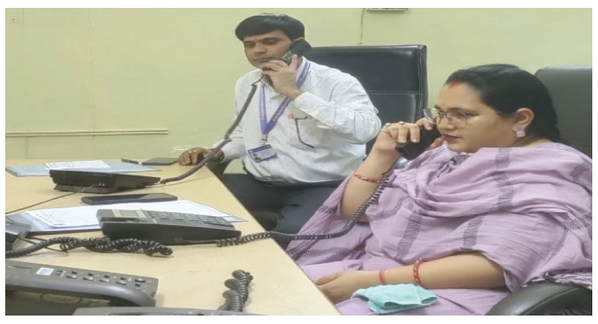

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विशेष पहल की गई है। देश में विद्यार्थियों के बीच आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों की गंभीरता से लेते हुए मण्डल द्वारा शैक्षणिक संस्थानों- जैसे स्कूल, कोचिंग संस्थान, कॉलेज और प्रशिक्षण केन्द्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर केन्द्रित हेल्पलाइन सुविधा प्रारंभ की गई है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर पर 1800-233-4363 पर विद्यार्थियों को मानसिक परामर्श प्रदान किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय (महानदी भवन) द्वारा जारी आदेश के तहत प्रारंभ की गई है। इस कार्य में मण्डल अध्यक्ष श्रीमती रेणु जी पिल्ले के निर्देश, सचिव श्रीमती पुष्पा साहू के आदेश, प्रभारी उपसचिव (प्रशासनिक) श्रीमती प्रीति शुक्ला के समन्वय, डॉ. बी. रघु के मार्गदर्शन एवं हेल्पलाइन नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार साहू के नेतृत्व में हेल्पलाइन का संचालन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की टोल फ्री हेल्पलाइन संख्या 1800-233-4363 पर विद्यार्थियों को मानसिक परामर्श प्रदान किया जा रहा है। विद्यार्थियों को मानसिक परामर्श प्रदान किया जा रहा है। अंतिम वर्ष की छात्रा ने इस हेल्पलाइन पर संपर्क कर अपने मन की बात साझा की। छात्रा ने बताया कि पढ़ाई करते समय उसे डर और घबराहट होती है, भूख नहीं लगती तथा लगातार तनाव और चिड़चिड़ापन महसूस होता है। इस दौरान हेल्पलाइन से जुड़ी मनोवैज्ञानिक श्रीमती काजल चौबे ने छात्रा से लगभग 20 से 22 मिनट तक वार्तालाप किया और उसे मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए आवश्यक सुझाव दिए।

मनोवैज्ञानिक ने छात्रा को सलाह दी कि वह नियमित भोजन करें, मोबाइल का उपयोग सीमित रखें, पर्याप्त नींद ले और दिमाग को रिलेक्स रखने हेतु मेडिटेशन तथा हल्की-फुल्की शारीरिक गतिविधियों को अपनाए। साथ ही अपने घरवालों और मित्रों से खुलकर अपनी भावनाएँ साझा करने की भी सलाह दी गई। वार्तालाप के अंत में छात्रा ने बताया कि बातचीत के बाद उसे काफी राहत महसूस हुई और उसका मन हल्का हो गया।

मण्डल द्वारा बताया गया कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाने हेतु हर शुक्रवार को हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 1800-233-4363 पर मनोवैज्ञानिक/ मनोचिकित्सक उपलब्ध रहेंगे।

डीएलएड ब्लूप्रिंट निर्माण हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह-कार्यशाला सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर एवं परख (एनसीईआरटी, नई दिल्ली) के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की मंशानुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पूरे देश में परीक्षा प्रश्नपत्रों में एकरूपता लाने की दिशा में तीन दिवसीय डी.एल.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष ब्लूप्रिंट निर्माण प्रशिक्षण सह-कार्यशाला का आयोजन 29 से 31 अक्टूबर 2025 तक मण्डल कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया।

यह कार्यशाला मण्डल अध्यक्ष रेणु जी. पिल्ले के संरक्षण, मण्डल सचिव पुष्पा साहू के आदेशानुसार तथा एनसीईआरटी नई दिल्ली के परख विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) इन्द्राणी भादुरी के निर्देशन में आयोजित की गई। इस कार्यशाला का संचालन उपसचिव (विद्योचित) डॉ. बी. रघु के मार्गदर्शन एवं प्रभारी उपसचिव (प्रशासनिक) प्रीति शुक्ला के सहयोग से किया गया।

इस प्रशिक्षण सह-कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रश्नपत्र निर्माण की गुणवत्ता एवं एकरूपता सुनिश्चित करना था, ताकि मूल्यांकन अधिक सटीक, पारदर्शी और उद्देश्यपरक हो सके। विषय प्रवेश से पूर्व शिक्षा के उद्देश्यों पर चर्चा की गई तथा पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्र निर्माण और मॉडरेशन की प्रक्रिया पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

कार्यशाला में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले विशेषज्ञों में डॉ. प्रदीप कुमार साहू, श्रीमती मनीषी सिंह, श्रीमती शिवा सोमवंशी, श्रीमती अलका जैन, अहर्लिश पॉल, डॉ. रीता चौबे और डॉ. माधुरी बोरेकर शामिल रहे। प्रशिक्षकों ने गुणवत्तापूर्ण प्रश्नपत्र निर्माण के लिए ब्लूप्रिंट की जानकारी और उसका व्यवहारिक प्रयोग आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि ब्लूप्रिंट प्रश्नपत्र की संरचना और उद्देश्य को सुसंगत बनाए रखता है, जिससे विद्यार्थियों का समग्र मूल्यांकन सुनिश्चित किया जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप डी.एल.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के लिए नवीन ब्लूप्रिंट तैयार किया गया है, जो छह प्रमुख डोमेन पर आधारित है, ज्ञानात्मक, बोधात्मक, अनुप्रयोगात्मक, विश्लेषणात्मक, मूल्यांकनात्मक और रचनात्मक। ज्ञानात्मक डोमेन में परिभाषा, सिद्धांत और तथ्यों की पहचान संबंधी प्रश्न रखे गए हैं। अवबोधात्मक में अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना और वैचारिक समझ पर ध्यान केंद्रित किया गया है, अनुप्रयोगात्मक डोमेन में सिद्धांतों के समाधान और नई परिस्थितियों में उनके प्रयोग पर बल दिया गया है। विश्लेषणात्मक में वर्गीकरण, तुलना और विभिन्न स्रोतों से जानकारी का एकीकरण किया गया है। मूल्यांकनात्मक में समीक्षा, मूल्य निर्धारण और निष्कर्ष निकालने की क्षमता का मूल्यांकन किया गया है, जबकि रचनात्मक डोमेन में सृजन, योजना बनाना, परिकल्पना और संगठनात्मक कौशल पर विशेष ध्यान दिया गया है।

कार्यशाला के दौरान ब्लूप्रिंट की अवधारणा, शैक्षिक उद्देश्यों पर आधारित प्रश्नों के प्रकार, संतुलित प्रश्नपत्र निर्माण की प्रक्रिया और अपने विषयानुसार प्रश्न निर्माण पर विशेष रूप से चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने बताया कि इस कार्यशाला से उन्हें प्रश्नपत्र निर्माण के नए दृष्टिकोण और वैज्ञानिक पद्धति की समझ विकसित हुई है।

प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि डी.एल.एड. के लिए इस प्रकार की कार्यशाला पहली बार आयोजित की गई है, जिससे उन्हें अत्यंत उपयोगी अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन का अनुरोध किया। यह तीन दिवसीय कार्यशाला छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल रही, जो शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने और शिक्षा में उत्कृष्टता लाने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम सिद्ध होगी।

वंदना सिंह बनीं ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से देश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई क्रांति शुरू हो चुकी है। अब आम नागरिक भी सौर ऊर्जा का उपयोग कर न केवल अपनी बिजली की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, बल्कि स्वयं ऊर्जा उत्पादक बनते जा रहे हैं। अम्बिकापुर की श्रीमती वंदना सिंह इस परिवर्तन की सशक्त मिसाल हैं, जिन्होंने सौर ऊर्जा अपनाकर आत्मनिर्भर ऊर्जादाता बनने की दिशा में सराहनीय पहल की है।

श्रीमती वंदना सिंह ने अपने घर की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित कराया है। इससे अब वे अपनी बिजली जरूरत स्वयं पूरी कर रही हैं और अतिरिक्त ऊर्जा विद्युत विभाग को बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित करने लगी हैं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार से 78 हजार और राज्य सरकार से 30 हजार की कुल एक लाख 8 हजार की सब्सिडी प्राप्त होगी। इस वित्तीय सहायता से सोलर पैनल लगाने की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे यह योजना अब सामान्य परिवारों के लिए भी किफायती और सुलभ हो गई है।

पहले उनके घर में बिजली की खपत अधिक होने के कारण हर महीने भारी बिल आता था, परंतु अब सौर ऊर्जा से बिजली उत्पन्न होने से खर्च में भारी कमी आई है। वे कहती हैं कि अब हमें गर्व है कि हम अपने घर की जरूरत की बिजली स्वयं बना रहे हैं। इससे हमारी बचत बढ़ी है और पर्यावरण भी स्वच्छ बना है। यह प्रदूषण रहित और पूरी तरह नवीकरणीय ऊर्जा का स्रोत है। उन्होंने आगे बताया कि इस योजना का सबसे बड़ा लाभ यह है कि जो अतिरिक्त बिजली उत्पादन होता है, उसे विद्युत विभाग को बेचने पर भुगतान भी मिलता है। इस प्रकार आम नागरिक उपभोक्ता के साथ-साथ ऊर्जादाता बनकर आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं।

वंदना सिंह ने नागरिकों से अपील की कि सभी लोग अपने घरों में सोलर पैनल लगवाएं, शासन की सब्सिडी का लाभ लें और सूर्य की रोशनी से अपने जीवन को रोशन करें। उन्होंने कहा कि जब हर घर अपनी बिजली खुद बनाएगा, तब हमारा देश सच में ऊर्जा आत्मनिर्भर बनेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना से कोटिया गांव में खुशियों की नई सुबह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पंचायत कोटिया में विकास और खुशहाली की नई इबारत लिख दी है। इस योजना ने न केवल गरीब परिवारों को पक्का घर प्रदान किया, बल्कि गांव के सामाजिक और आर्थिक जीवन में भी गहरा परिवर्तन लाया है। पहले जहां कई परिवार कच्चे और जर्जर घरों में रहते थे, वहीं आज कोटिया के घरों में पक्की दीवारें, स्वच्छ परिसर और हरियाली के बीच खुशियों की नई रोशनी झिलमिला रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से कोटिया गांव के 114 आवासों का निर्माण पूरा हुआ है। हर घर के साथ शौचालय निर्माण ने स्वच्छता की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत अब गांव में खुले में शौच की समस्या लगभग समाप्त हो चुकी है। उज्ज्वला योजना से महिलाओं को धुएं रहित रसोई मिली, नल-जल योजना से हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचा, आयुष्मान भारत योजना ने स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की और मनरेगा ने ग्रामीणों को स्थायी रोजगार का अवसर दिया।

निर्माण कार्यों ने स्थानीय मजदूरों, राजमिस्त्रियों और सामग्री आपूर्तिकर्ताओं के लिए निरंतर रोजगार सृजित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी। प्रत्येक आवास परिसर में पौधारोपण अभियान से गांव हरा-भरा और पर्यावरणीय दृष्टि से स्वच्छ बना है। डिजिटल पारदर्शिता के चलते आवेदन से लेकर भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हुई, जिससे भ्रष्टाचार पर रोक लगी और ग्रामीणों में तकनीकी जागरूकता बढ़ी। खास बात यह रही कि कई आवासों का स्वामित्व महिलाओं के नाम पर दर्ज किया गया, जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मान का अनुभव हुआ।

ग्राम पंचायत कोटिया की निवासी केवरा बाई पति अजय कुमार की कहानी इस योजना की सफलता का जीवंत उदाहरण है। पहले वे अपने परिवार के साथ झोपड़ी में रहती थीं, जहां बारिश के दिनों में पानी भर जाता था। वित्तीय वर्ष 2024-25 में उनका नाम आवास प्लस स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल हुआ। ग्राम सभा अनुमोदन के बाद आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर उन्हें योजना के तहत 1.20 लाख रूपये की राशि स्वीकृत हुई। इसके साथ ही मनरेगा से 21 हजार 870 रुपए मजदूरी राशि और स्वच्छ भारत मिशन से 12 हजार रुपए शौचालय निर्माण हेतु प्राप्त हुए।

आज केवरा बाई का परिवार सुरक्षित और सम्मानपूर्वक पक्के घर में रह रहा है। भावुक होकर वे कहती हैं कि अब हमारे बच्चों को बारिश में भीगना नहीं पड़ता। यह घर हमारे लिए सिर्फ ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने सिद्ध कर दिया है कि जब सरकारी योजनाएँ पारदर्शिता और निष्ठा से लागू की जाती हैं, तो गांव केवल बसावट नहीं रहते वे विकास, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के प्रतीक बन जाते हैं।

देवउठनी एकादशी के दिन पढ़ें संपूर्ण कथा और पाएं व्रत का पुण्यफल

देवउठनी एकादशी कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है और इसे अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ सभी देवता चार महीने की वैशाखी निद्रा से जागृत होते हैं और सृष्टि के कार्यभार को संभालते हैं। इसे भगवान विष्णु की आराधना का विशेष दिन माना जाता है और भक्त इस अवसर पर उनकी पूजा और भोग अर्पित करते हैं। इस दिन व्रती भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए उपवास रखते हैं और विधिपूर्वक पूजा करते हैं। साथ ही, देवउठनी एकादशी की कथा का पाठ करना भी शुभ माना जाता है। कथा के श्रवण और पाठ से न केवल व्रत का फल दोगुना प्राप्त होता है, बल्कि जीवन में सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति भी होती है। इस दिन धार्मिक विधानों का पालन करना अत्यंत लाभकारी होता है।

पहली कथा

एक समय की बात है, एक राजा के राज्य में सभी लोग बहुत धर्मपरायण थे। इस राज्य में एकादशी का दिन बहुत ही पवित्र माना जाता था। राजा ने अपने राज्य के सभी लोगों, नौकर-चाकर और यहाँ तक कि पशुओं तक को आदेश दिया था कि एकादशी के दिन किसी को अन्न न दिया जाए। सभी लोग इस दिन फलाहार ही करते थे। एक दिन दूसरे राज्य का एक व्यक्ति उस राजा के पास नौकरी मांगने आया। राजा ने कहा, ठीक है, तुम्हें नौकरी दे देता हूँ, लेकिन एक शर्त है। रोज़ तुम्हें भोजन मिलेगा, पर एकादशी के दिन अन्न नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति ने खुशी-खुशी शर्त मान ली।

एकादशी का दिन आया और व्यक्ति को फलाहार दिया गया। लेकिन वह अपने मन में सोचने लगा कि फलाहार से पेट कैसे भरेगा। वह राजा के सामने जाकर विनती करने लगा कि मुझे अन्न दें, नहीं तो मैं भूखा मर जाऊँगा। राजा ने उसे शर्त याद दिलाई, पर अंत में उसे अन्न दे दिया। व्यक्ति ने जैसे ही भोजन बनाया, उसने भगवान को बुलाया, आओ भगवान, भोजन तैयार है। तभी पीताम्बरधारी भगवान चतुर्भुज रूप में प्रकट हुए और उसके साथ भोजन करने लगे। भोजन करने के बाद भगवान अंतर्धान हो गए। पंद्रह दिन बाद जब व्यक्ति ने राजा से दुगुना अन्न मांगा, तो राजा ने पूछा क्यों। उसने बताया कि भगवान भी उसके साथ खाते हैं, इसलिए अन्न पूरा नहीं होता। यह सुनकर राजा आश्चर्यचकित हो गया और व्यक्ति के साथ नदी के किनारे छिपकर देखा। जब व्यक्ति ने भोजन बनाया और भगवान को पुकारा, भगवान तुरंत प्रकट हुए। उन्होंने भोजन किया और उसे अपने धाम ले गए। इस घटना से राजा ने सीखा कि व्रत और पूजा का फल केवल मन की शुद्ध भक्ति से ही मिलता है।

दूसरी कथा

भगवान नारायण लगातार जगते रहते थे, जिससे देवी लक्ष्मी और अन्य देवताओं को भी विश्राम नहीं मिलता था। एक दिन देवी लक्ष्मी ने भगवान से कहा, हे नाथ! यदि आप हमेशा जागते रहते हैं तो हमें भी विश्राम नहीं मिलेगा। कृपया वर्ष में चार महीने की निद्रा लें। भगवान विष्णु ने उनकी बात मानते हुए निर्णय लिया कि वर्षा ऋतु के चार महीने वह अल्पनिद्रा लेंगे। इसे 'प्रलयकालीन महान निद्रा' कहा गया। इस समय उनके भक्तों को विशेष पुण्य और कल्याणकारी फल प्राप्त होते हैं। भगवान ने कहा कि जो भक्त इस समय उनकी सेवा करेंगे, पूजा करेंगे और उनके जागरण और निद्रा के अवसर का पालन करेंगे, उनके घर में सुख-समृद्धि बनी रहेगी। इस कथा से यह शिक्षा मिलती है कि भगवान की सेवा और उनके नियमों का पालन करने से जीवन में शांति और आशीर्वाद प्राप्त होता है।

तीसरी कथा

एक नगर में एक राजा था, जिसका राज्य बहुत सुख-समृद्ध था। उस नगर में एकादशी के दिन कोई भी अन्न नहीं बेचता और सभी लोग केवल फ्लाहार करते थे। भगवान ने राजा की भक्ति और धर्म की परीक्षा लेने के लिए सुंदरी का रूप धारण किया और नगर में आकर सड़क पर बैठ गए। राजा ने सुंदरी से पूछा, तुम कौन हो और यहाँ क्यों बैठी हो? सुंदरी ने कहा, मैं निराश्रिता हूँ, नगर में मेरा कोई परिचय नहीं है। कृपया मेरी मदद करें। राजा मोहित हो गया और बोला कि वह उसे अपने महल में रानी बनाकर रखेगा। सुंदरी ने कहा, मैं आपकी बात मानूंगी, लेकिन आप मुझे राज्य का अधिकार सौंप दें। मैं जो बनाऊँगी, आपको उसका पालन करना होगा। राजा ने मोहित होकर उसकी शर्त मान ली।

अगले दिन एकादशी आई। सुंदरी ने हुक्म दिया कि अन्न बेचा जाए और मांस-मछली पकवाएं। राजा ने केवल फलाहार किया। सुंदरी ने राजा से कहा कि या तो वह भोजन खाए या वह बड़े राजकुमार का सिर काट देगी। राजा ने धर्म का पालन करते हुए राजकुमार को देने की तैयारी की। तभी भगवान विष्णु ने अपने असली रूप में प्रकट होकर सब सही कर दिया। भगवान ने राजा की भक्ति और धर्मपरायणता देखकर उसे आशीर्वाद दिया। भगवान के आने पर राजा ने राज्य अपने पुत्र को सौंपा और अपने धाम के लिए चले गए। इस कथा से यह संदेश मिलता है कि भक्ति, धर्म और व्रत का पालन केवल नियमों के लिए नहीं, बल्कि मन की शुद्धता और सच्ची श्रद्धा के लिए होना चाहिए।

देवउठनी एकादशी : यह है पूजन विधि से लेकर शुभ मुहूर्त

भगवान विष्णु को समर्पित देवउठनी एकादशी 1 नवंबर यानी आज मनाई जा रही है। यह कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि है। इस दिन घरों में भगवान विष्णु की भव्य पूजा का आयोजन किया जाता है, जिसे देवोत्थान भी कहते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन विष्णु भगवान सहित समस्त देवता चार महीने की योग निद्रा से जागते हैं, जिसके बाद एक बार फिर शुभ मांगलिक कार्यों का प्रारंभ होता हैं। चूंकि श्री हरि जागते हैं, इसलिए एक बार फिर सृष्टि की कमान प्रभु संभालते हैं। हिंदू धर्म में इस तिथि को नई शुरुआत, सुख-सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। यदि इस दिन विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाए, तो वे प्रसन्न होकर भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। इससे विवाह के योग बनते हैं, कार्यों में सफलता मिलती है। ऐसे में आइए देवउठनी एकादशी के महत्व और पूजन विधि को जानते हैं।

इस वर्ष कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 1 नवंबर को सुबह 9 बजकर 11 मिनट से 2 नवंबर को सुबह 7 बजकर 31 मिनट तक रहेगी। इसलिए 1 नवंबर 2025 यानी आज देवउठनी एकादशी मनाई जाएगी। 2 नवंबर को दोपहर 1:11 से 03:23 मिनट की अवधि में एकादशी व्रत का पारण कर सकते हैं।

देवउठनी एकादशी शुभ मुहूर्त

ज्योतिषियों के मुताबिक, आज देवउठनी एकादशी पर शाम 7 बजकर पूजा का शुभ मुहूर्त रहेगा और इस समय देव जागेंगे। पूजा के लिए यह अवधि उत्तम हैं। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 42 मिनट से शुरू होकर दोपहर 12 बजकर 27 मिनट पर समाप्त होगा। वहीं गोधूली मुहूर्त शाम 5 बजकर 36 मिनट से लेकर शाम 6 बजकर 02 मिनट तक रहेगा। साथ ही प्रदोष काल शाम 5 बजकर 36 मिनट पर प्रारंभ होगा। देवउठनी एकादशी व्रत पारण 2 नवंबर को दोपहर 1:11 से 03:23 मिनट की अवधि में एकादशी व्रत का पारण कर सकते हैं। देवउठनी एकादशी पर पूजा के लिए आप घर के पूजा स्थल के पास गेरू से भगवान विष्णु के चरणों की आकृति बनाएं।

देवउठनी एकादशी भोग

देवउठनी एकादशी पर भगवान को गुड़ और चने का भोग लगाएं। पंचामृत का भोग लगाएं। पंजीरी व केले का भोग तथा पीली मिठाई का भोग लगाना उत्तम होता है।

देवउठनी एकादशी उपाय

देवउठनी पर सुहाग सामग्री का दान वैवाहिक जीवन को बनाता है सुखमय

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक देवउठनी पर आप सुहाग सामग्री का दान करें। इससे वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है। इस दिन तुलसी पर कच्चा दूध चढ़ाएं। फिर पौधे के पास घी का दीपक जलाएं। इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। देवउठनी एकादशी पर आप गर्म और ऊनी वस्त्रों का दान करें। इससे भाग्योदय होता है। देवउठनी एकादशी पर घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाएं और घर में लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें। इससे सकारात्मकता का आगमन होता है।

देवउठनी एकादशी की पूजा विधि

- देवउठनी एकादशी पर पूजा के लिए आप घर के पूजा स्थल के पास गेरू से भगवान विष्णु के चरणों की आकृति बनाएं।
- आकृति के पास फल, सिंघाड़ा पीली रंग की मिठाई, गन्ना, फूल रखें। इसके बाद आप इस आकृति को छन्नी या डलिया से ढक दें।
- शाम को आकृति के पास शुद्ध देसी घी से दीपक जलाएं। फिर भगवान विष्णु संग देवी लक्ष्मी और सभी देवी-देवताओं की पूजाकरें।
- अब शंख या घंटी बजाएं और 'उठो देवा, बैठो देवा' के भजन से श्री हरि को जगाएं।
- देवताओं को जगाने के बाद सभी को पंचामृत का भोग लगाएं और सुख-समृद्धि की कामना करें।
- इस दौरान यदि आप तुलसी विवाह कर रहे हैं, तो उनकी भी पूजा करें।
- फिर सभी में प्रसाद का वितरण करें और कुछ वस्त्र, धन, अन्न व पीली चीजों का दान करें।

तुलसी विवाह में शामिल करें ये चीजें, घर में आएगी सुख समृद्धि और चमकेगी किस्मत

हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को तुलसी विवाह का पावन पर्व मनाया जाता है। यह पर्व आमतौर पर देवउठनी एकादशी के अगले दिन किया जाता है। इस दिन मां तुलसी और भगवान विष्णु (शालिग्राम जी) का विवाह रचाया जाता है। अगर आप भी इस शुभ अवसर पर तुलसी पूजा करने जा रहे हैं, तो पूजा की सही सामग्री और विधि का पालन जरूर करें ताकि आपकी पूजा सफल और फलदायी हो।

तुलसी विवाह के दिन भगवान विष्णु के भोग में तुलसी दल अवश्य चढ़ाएं। बिना तुलसी के यह भोग अधूरा माना जाता है। सूर्यास्त के बाद तुलसी के पौधे के पास घी का दीपक जलाना शुभ होता है। इस दिन तुलसी की 7 या 11 बार परिक्रमा करना चाहिए। ऐसा करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है तथा भगवान विष्णु और माता तुलसी की कृपा प्राप्त होती है। तुलसी विवाह का पर्व सौभाग्य, समृद्धि और पारिवारिक सुख का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धा और पूर्ण विधि-विधान से किया गया यह अनुष्ठान जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

तुलसी विवाह की सामग्री व पूज विधि

- तुलसी का पौधा, शालिग्राम जी या भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर
- लाल या पीला कोरा कपड़ा, पूजा की चौकी, कलश
- सोलह श्रृंगार की सामग्री, बिछुए, चुनरी, सिंदूर, मेहंदी, बिंदी, काजल आदि
- मौसमी फल और सब्जियां, आंवला, बेर, मूली, सिंघाड़ा, अमरूद आदि
- नारियल, कपूर, धूप, दीप, चंदन, हल्दी की गांठ
- केले के पत्ते और गन्ना, मंडप सजाने के लिए
- सबसे पहले पूजा स्थल को साफ-सुथरा करें और रंगोली से सजाएं।
- इसके बाद केले के पत्तों और गन्ने से मंडप तैयार करें।
- पूजा स्थल पर तुलसी का पौधा, शालिग्राम जी और भगवान विष्णु की मूर्ति को स्थापित करें।
- इसके बाद मां तुलसी को सुहाग की सामग्री अर्पित करें और उन्हें दुल्हन की तरह सजाएं।
- भगवान विष्णु को वर के रूप में पूजें और गन्ना, केला, मूली, सिंघाड़ा आदि का भोग लगाएं।
- घी के 11 दीपक जलाएं, भजन-कीर्तन करें और आरती के बाद प्रसाद वितरण करें।

बना रहे जंगल सफारी का प्लान, इन टाइगर रिजर्व को लिस्ट में करें शामिल

सर्दियों की दस्तक के साथ ही जंगलों की हरियाली निखरने लगती है और वन्यजीवों का संसार एक नई रौनक से भर जाता है। अगर आप इस नवंबर किसी रोमांचक ट्रिप की तलाश में हैं, तो जंगल सफारी से बेहतर विकल्प कोई नहीं। नवंबर का महीना मौसम के लिहाज से बिल्कुल अनुकूल होता है, न ज्यादा गर्मी, न ज्यादा ठंड जिससे टाइगर रिजर्व की सैर का मज़ा दोगुना हो जाता है। इस बार अपनी ट्रैवल लिस्ट में इन 6 शानदार टाइगर रिजर्व को ज़रूर शामिल करें।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व, राजस्थान

राजस्थान के सवाई माधोपुर में रणथंभौर नेशनल पार्क है। यह उद्यान पहाड़ों, किलों और घने जंगलों के बीच है, जहां से बाघों की झलक मिलती है। अरावली और विंध्याचल पहाड़ियों का संगम देखने को मिलता है। राजस्थान का यह जंगल अपने शाही बाघों और प्राचीन किलों के लिए मशहूर है। नवंबर में यहां का मौसम सफारी के लिए बिल्कुल सही रहता है। यहां का सफर फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग जैसा है। सफारी और कैम्पिंग का आनंद ले सकते हैं। रणथंभौर नेशनल पार्क की यात्रा के लिए जयपुर एयरपोर्ट से 180 किमी दूर बस या कैब मिल जाएगी। उद्यान से 12 किमी दूर सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन है।

कान्हा टाइगर रिजर्व, मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश के कान्हा नेशनल पार्क से ही रूडयार्ड किपलिंग ने द जंगल बुक की प्रेरणा ली थी। जंगल बुक की प्रेरणा ली गई थी। यह उद्यान बारहसिंगा का प्रमुख निवास है। यहां आप टाइगर सफारी, बर्ड वॉचिंग और वन्यजीवों को करीब से देखने के लिए जा सकते हैं। जंगल में कच्चे रास्तों पर रोमांचक सफर का अनुभव लेने के लिए निकटतम हवाई अड्डा जबलपुर एयरपोर्ट है जो कि 160 किमी दूर है। और जबलपुर रेलवे स्टेशन से 165 किमी की दूरी पर है।

बांधवगढ़ नेशनल पार्क, मध्य प्रदेश

भारत में सबसे अधिक टाइगर डेंसिटी वाला रिजर्व बांधवगढ़ नेशनल पार्क है, जो कि मध्य प्रदेश के उमरिया जिला में स्थित है। यहां आने वालों को हाथी सफारी का लुत्फ जरूर उठाना चाहिए। यह उद्यान 32 पहाड़ियों से घिरा है। बाघों के अलावा भी यहां कई प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के सबसे करीब रेलवे स्टेशन उमरिया रेलवे स्टेशन है, जहां से इस पार्क तक पहुंचने में लगभग 40 मिनट की ड्राइव है। यह फेटोग्राफर्स के लिए यह किसी स्वर्ग से कम नहीं है।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड

भारत का पहला नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क है, जो कि उत्तराखंड में है। यहां पहाड़, नदियां और घने जंगल मिलकर अनोखा नज़ारा पेश करते हैं। यहां

रोमांचक जंगल सफारी का लुत्फ उठा सकते हैं। यहां आने का बेस्ट समय नवंबर से जून का है। अगर आप बाघ देखना चाहते हैं तो ढिकाला जोन में टाइगर दिखने की संभावना सबसे अधिक होती हैं। इस पार्क में बंगाल टाइगर, हाथी, हिरण, मगरमच्छ के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप जीप सफारी, कैंटर सफारी, एलीफेंट सफारी का लुत्फउठा सकते हैं। यहां के घने जंगलों और रमणीय पहाड़ियों के बीच सफारी का रोमांच विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।

सुंदरबन टाइगर रिजर्व, प. बंगाल

पश्चिम बंगाल का सुंदरबन नेशनल पार्क दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव जंगल है। इसे प्रसिद्ध रॉयल बंगाल टाइगर का घर कहा जाता है, जहां नाव सफारी का अनोखा अनुभव मिलता है। यहां नाव सफारी के जरिए बाघों को देखने का प्रयास कर सकते हैं। दुर्लभ पक्षियों और मगरमच्छों को देखने का मौका मिलता है और शांत व रहस्यमयी जंगल का अनुभव ले सकते हैं। सुंदरबन नेशनल पार्क तक पहुंचने के लिए 120 किमी दूर कोलकाता एयरपोर्ट से टैक्सी ले सकते हैं। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कंठी और नामखाना रेलवे स्टेशन है। यहां के बाघ तैराकी में माहिर हैं। समुद्री खारे पानी और मैंग्रोव जंगलों के बीच इनका जीवन बेहद रहस्यमय है।

अपनी कर्मठता और दृढ़ इच्छाशक्ति से लौह पुरुष बने सरदार पटेल : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल अपनी कर्मठता और दृढ़ इच्छाशक्ति से लौहपुरुष बने। आज़ादी के बाद के कठिन हालातों में उन्होंने अपनी सूझबूझ और फौलादी इरादों से 562 रियासतों का भारत में विलय कर अखंड भारत का निर्माण किया। किसानों के संघर्ष और स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान अमूल्य रहा है।

सभी संभागीय मुख्यालयों में स्थापित की जाएगी सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में यह बात कही। यह कार्यक्रम खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रायपुर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया गया।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब तथा विधायक राजेश मूणत उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उनके महान योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने अपनी विराट सोच और अटूट इच्छाशक्ति से टुकड़ों में बंटी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया।

सरदार पटेल का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और समर्पण का प्रतीक है। उनकी 150वीं जयंती पर आज पूरे देश में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुजरात के केवड़िया में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य को भी आमंत्रित किया गया है, जहाँ राज्य का विशेष स्टॉल भी लगाया गया है। उन्होंने कहा कि 'रन फॉर यूनिटी' केवल देश की एकता और अखंडता का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह फिटनेस और सामूहिक ऊर्जा का भी संदेश देता है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की आज़ादी और किसानों के अधिकारों के लिए ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध कठोर संघर्ष किया। उनके योगदान को रेखांकित करने के लिए ही उनकी जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को साकार किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने घोषणा की कि राज्य के सभी संभागीय मुख्यालयों में सरदार पटेल की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इसके लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संबंधित नगरीय निकायों को 50-50 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए रंगोली और चित्रों का अवलोकन किया तथा उपस्थित जनों को स्वदेशी अपनाने और भारत में निर्मित वस्तुओं के उपयोग की शपथ दिलाई।

राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रन फॉर यूनिटी के साथ ही महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए रंगोली, चित्रकला, भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।मुख्यमंत्री श्री साय ने रंगोली, चित्रकला, भाषण और काव्य पाठ प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया तथा रन फॉर यूनिटी के प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 'बस्तर ओलंपिक' के प्रचार रथ को भी हरी झंडी दिखाई। यह प्रचार रथ बस्तर संभाग के सभी जिलों में पहुंचकर बस्तर ओलंपिक का प्रचार-प्रसार करेगा।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार ने अपने स्वागत भाषण में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित 'सरदार150 यूनिटी मार्च' के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम आगामी डेढ़ महीनों तक निरंतर जारी रहेंगे।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनूजा सलाम, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, विभागीय अधिकारी, खिलाड़ी तथा महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विविधता में एकता ही भारत की असली ताकत : विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि वे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाले ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निष्ठा से देश की रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों और आमजनों के साथ राजधानी रायपुर के शास्त्री चौक से शारदा चौक तक आयोजित 'एकता दौड़' में शामिल होकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरदार पटेल को उनकी दूरदृष्टि और अद्भुत नेतृत्व क्षमता के कारण ही 'भारत का लौह पुरुष' कहा जाता है। राष्ट्र को एकजुट करने के उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर आज पूरे देश में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत विविधताओं से परिपूर्ण देश है, और 'विविधता में एकता' की भावना हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों के उत्साह और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनका यह जोश सरदार पटेल के प्रति श्रद्धा और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिए गए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करने का प्रण लेने का आह्वान किया और सभी को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण देव, विधायक पुरंदर मिश्रा तथा छत्तीसगढ़ लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा सहित विद्यार्थी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आंवला नवमी पर मुख्यमंत्री ने आंवला वृक्ष की पूजा कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आंवला नवमी के पावन अवसर पर आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में धर्मपत्नी कौशल्या साय के साथ आंवला वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की।

इस अवसर पर उन्होंने आंवला नवमी के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय परंपरा में आंवला वृक्ष को दिव्य और औषधीय गुणों से युक्त माना गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आंवला नवमी, जिसे अक्षय नवमी भी कहा जाता है, धन, आरोग्य और समृद्धि का संदेश देने वाला पर्व है। उन्होंने कहा कि यह मान्यता है कि आंवला वृक्ष के नीचे भोजन करने और आंवला फल का सेवन करने से स्वास्थ्य लाभ, मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग प्राकृतिक एवं औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारी संस्कृति का आधार है, और वृक्ष हमारे जीवन के पोषक हैं। वृक्षों की पूजा करने के साथ ही उन्हें सुरक्षित रखना भी हमारा सामूहिक दायित्व है।

बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर विमानतल पर पीएम मोदी का किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बृजमोहन अग्रवाल ने रायपुर विमानतल पर पीएम मोदी का स्वागत किया। एक्स पोस्ट में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लिखा, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रभु श्री राम के ननिहाल, माता कौशल्या की पवित्र भूमि पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। आज रायपुर आगमन पर स्वामी विवेकानंद विमानतल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। छत्तीसगढ़, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रही है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी सुबह छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस में शामिल होने रायपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और दोनों उपमुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी एयरपोर्ट से सत्य साईं अस्पताल पहुंचे, जहां वे 2,500 बच्चों से बातचीत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री करीब 6 घंटे 45 मिनट

तक रायपुर में रहेंगे। रायपुर पहुंचने पर उन्होंने पद्म विभूषण तीजन बाई और लेखक पद्म भूषण विनोद कुमार शुक्ल का हालचाल भी जाना।

इसके अलावा, पीएम मोदी नए विधानसभा भवन, डिजिटल जनजातीय संग्रहालय और ब्रह्माकुमारी संस्थान के 'शांति शिखर' ध्यान केंद्र का उद्घाटन करेंगे। साथ ही वे रोड शो भी करेंगे।

जवानों की भुजाओं की ताकत से बस्तर लाल आतंक से होगा मुक्त-विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस के द्वारा 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती पर छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के 4 थीं वाहिनी में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस परेड समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर गृहमंत्री शर्मा ने सभी को एकता दिवस की शपथ भी दिलाई एवं मार्च पास्ट का अवलोकन करने के साथ परेड की सलामी ली। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का योगदान अतुलनीय था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधते हुए अखंड भारत को मूर्त रूप दिया, उनकी दृढ़ इच्छा शक्ति, कुशल नेतृत्व क्षमता के कारण देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय हुआ। बिखरे भारत में राजनैतिक एकीकरण में साहसिक भूमिका निभाने के लिये पटेल को लौह पुरूष कहा जाता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, यहां के लोगों के बीच एकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे समय में जब देश कई रियासतों में विभाजित था, तब सरदार वल्लभ भाई पटेल ने उसे एकजुट किया। राष्ट्रीय एकता दिवस देश को एकजुट करने के लिए इनके संघर्षों और बलिदानों की याद दिलाता है।

पुलिस जवानों का बढ़ाआत्म विश्वास

वर्तमान में हम नक्सल मुक्त भारत, नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ के राह में चल पड़े हैं विगत दो वर्षों में जवानों ने जो अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया है, उसकी चर्चा और परिणाम हम सब देख पा रहे है, अब यह सुनिश्चित हो चुका है कि जवानों की भुजाओं की ताकत से बस्तर पूर्ण रूप से लाल आतंक से मुक्त होगा एवं बस्तर के कोने-कोने में लोकतंत्र और संविधान लागू होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति कलर्स अवार्ड प्राप्त हुआ है, वह हमारे वीर जवानों के पराक्रम एवं गौरव का परिणाम है, जिससे राज्य का मान एवं पुलिस जवानों का आत्म विश्वास बढ़ा है।

उपमुख्यमंत्री ने दी शहीदों को श्रद्धांजलि

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर नक्सली घटनाओं में शहीद हुए लोगों की याद में लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जहां अब तक हुए नक्सली हमलों में शहीद हुए जवानों के छायाचित्रों को देखकर सभी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस प्रदर्शनी में पुलिस की नक्सल ऑपरेशन्स में कार्यप्रणाली एवं कल्याणकारी कार्यों को भी प्रदर्शित किया गया है।

भारतीय शस्त्रों के प्रति उपमुख्यमंत्री शर्मा ने दिखाया उत्साह

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने 4 थीं वाहिनी द्वारा लगाए गए राज्य स्तरीय शस्त्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। जिसमें एलएमजी, यूबीएलजी, असाल्ट रायफल्स, एसएलआर, जेवीपीसी, एके 47, टियर गन, एक्शन गन आदि का प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान उन्होंने भारत में निर्मित हथियारों पर उत्साह प्रदर्शित किया और अधिकारियों से चर्चा में कहा कि भारत में निर्मित ये अत्याधुनिक हथियार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता का परिणाम हैं ये आत्मनिर्भर भारत की ओर हमारे बढ़ते कदम हैं।

इस कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा एवं अमित कुमार, पुलिस महानिरीक्षक अंकित गर्ग, ध्रुव गुप्ता, बीएस ध्रुव, पुलिस उपमहानिरीक्षक अरविंद कुजूर, सदानंद कुमार सहित पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारी, बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे एवं शहीदों के परिवारजन उपस्थित रहे।

सैंकड़ों जवानों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिया बलिदान

आजादी के वर्षों बाद भी देश के कुछ भागों में हमारे सुरक्षाबलों के जवान आतंकवाद एवं नक्सलवाद का सामना करते हुए देश की एकता-अखण्डता एवं प्रदेश तथा देशवासियों की सुरक्षा हेतु अदम्य साहस, वीरता एवं निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य भी लगभग चार दशकों से नक्सलवाद के दंश को झेलता आ रहा है। छत्तीसगढ़ में कार्यरत छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों एवं केन्द्रीय सुरक्षा बल के सैंकड़ों जवानों ने इस लाल आतंक को समाप्त करने अपने प्राणों की परवाह किये बिना लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। राष्ट्रहित में उनका यह बलिदान सदैव देश और राज्य के स्मृति में अमर रहेगा।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

अवैध नशीली कफसिरप बिक्री का भंडाफोड़, दुर्ग पुलिस की ऑपरेशन 'विश्वास' में बड़ी सफलता

दुर्ग। दुर्ग पुलिस को ऑपरेशन विश्वास के तहत एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलगांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से नशीली कफसिरप कोडिन फास्फेट की बिक्री करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित कफसिरप, नकद राशि, मोबाइल फोन और वाहन जब्त किए गए हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति अपने-अपने वाहन-एक जुपीटर और एक एक्टीवा-में कार्टून में भरी प्रतिबंधित नशीली कफसिरप लेकर पीसेगांव बांथा तालाब रोड पर ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना पर पुलगांव पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान वासु चंद्राकर उर्फ गोलू (निवासी बैगा पारा, दुर्ग) और संजय तिवारी उर्फ सोनू (निवासी गया नगर, दुर्ग) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान संजय तिवारी के कब्जे से एक एक्टीवा वाहन में रखे कार्टून से 70 शीशी (कुल 7 लीटर) प्रतिबंधित कफसिरप बरामद की गई, जिसकी कीमत लगभग 12,460 रुपए है। उसके पास से 2,000 रुपए नकद और एक सैमसंग मोबाइल फोन (कीमत 20,000 रुपए) भी जब्त किया गया। वहीं वासु चंद्राकर के वाहन से 60 शीशी (6 लीटर) कफसिरप, 1,000 रुपए नकद और ओप्पो मोबाइल फोन (कीमत 5,000 रुपए) बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। कुल 130 शीशी (13 लीटर) कोडिन फास्फेट कफ सिरप, दो मोबाइल फोन और दो वाहन पुलिस ने जब्त किए हैं। इस कार्यवाही में पुलगांव थाना पुलिस की अहम भूमिका रही, जिसने त्वरित कार्रवाई कर नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने में सफलता हासिल की।

कांकेर में नकली बीड़ी बनाने वाला गिरफ्तार

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में 2 अलग-अलग मामलों में 4 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। नकली बीड़ी बनाने और बेचने के आरोप में एक व्यक्ति पकड़ाया वहीं, दूसरे मामले में धोखाधड़ी के आरोप में 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नकली बीड़ी बनाने वाले आरोपी पर एक प्रसिद्ध ब्रांड के नाम का कॉपीराइट उल्लंघन करने का आरोप है। पुलिस ने उसके गोदाम से करीब 1 लाख रुपए मूल्य की 10,105 नकली बीड़ी के पैकेट/कट्टे जब्त किए हैं। वहीं, धोखाधड़ी के आरोपियों ने अवैध लेनदेन के लिए कांकेर सहित अन्य बैंकों में खाते खुलवाए थे। यह कार्रवाई दयालाल मेघजी एंड कंपनी रायपुर के परचेज मैनेजर सुनील पचौरी की शिकायत पर की गई। पचौरी ने पुलिस को बताया कि बाजार में 'बादशाही फरमास बीड़ी' के पैकिंग रैपर्स का डिज़ाइन कॉपीराइट कानून के तहत पंजीकृत है। पिछले कुछ सालों से नकली बीड़ी बनाकर बेची जा रही थी। शिकायत के मुताबिक, नकली बीड़ी की बिक्री से कंपनी की सालाना बिक्री में भारी गिरावट आ रही थी। कोतवाली थाना क्षेत्र कांकेर में दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने 30 अक्टूबर को आरोपी स्वरूप चोपड़ा के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम 1957 की धारा 63 के तहत मामला दर्ज किया।

जशपुर में जमीन विवाद में 2 की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में यादव और नागवंशी परिवार में जमीन विवाद को लेकर डबल मर्डर हो गया। खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों ने एक-एक युवक को कुल्हाड़ी से काट डाला। वारदात के बाद गांव में तनाव का माहौल है। जमीन विवाद लंबे समय से चल रहा है। मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतकों का नाम चकरो यादव (52) और पुस्तम उर्फ नान्ही नागवंशी (30) है, जो पाकरगांव के बैगापारा के निवासी थे। दोनों खेती-किसानी का काम करते थे। सरकारी जमीन के स्वामित्व को लेकर लड़ाई हो रही थी। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, 30 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे पाकरगांव में सरकारी जमीन के स्वामित्व को लेकर नागवंशी परिवार और यादव परिवार के बीच विवाद हो गया। इसके कुछ देर बाद नागवंशी परिवार के करीब 12 लोग हथियारों के साथ गिरोधर यादव के घर पहुंचे। इस दौरान पुस्तम नागवंशी परिवार के हथियारबंद लोगों ने गिरोधर यादव के घर के दरवाजे और खिड़कियां को तोड़ने की कोशिश की। उस समय गिरोधर घर के अंदर मौजूद था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसने अपने बड़े भाई चकरो यादव को मदद के लिए कॉल किया। इसके बाद जैसे ही चकरो यादव मौके पर पहुंचा। इस दौरान पुस्तम नागवंशी और उसके परिवार के लोगों ने चकरो यादव को कुल्हाड़ी से काट डाला। कुल्हाड़ी से कई वार की वजह से चकरो यादव की मौके पर ही मौत हो गई। जमीन पर खून ही खून बिखर गया। इसी दौरान गांव में ही पास में यादव समाज का एक कीर्तन कार्यक्रम चल रहा था। जब कीर्तन में शामिल लोगों को हमले की सूचना मिली, तो बड़ी संख्या में वे घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन दूसरे पक्ष के लोग भाग निकले। हालांकि, उनमें से एक युवक नान्ही नागवंशी लोगों के हाथ लग गया। इसके बाद यादव परिवार की भीड़ ने नान्ही नागवंशी को जमकर पीटा। नान्ही नागवंशी पर भी कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उसकी भी मौके पर मौत हो गई। वारदात के बाद लोगों ने मर्डर की सूचना पत्थलगांव पुलिस को दी। साथ ही यादव समाज ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर पत्थलगांव में चक्काजाम भी किया।

गांव में तनाव की स्थिति थी, पुलिस तैनात

मामले की जानकारी मिलते ही पत्थलगांव थाना प्रभारी विनीत पांडेय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सिचवेशन तो कंट्रोल किया। तनाव की स्थिति को देखते हुए गांव में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं इस मामले में पुलिस का कहना है कि जमीन विवाद पर वारदात हुई है। गिरोधर यादव ने जमीन को अपने नाम करा लिया था। पट्टा भी बनवा लिया था, जिसकी वजह से विवाद की बात सामने आ रही है। दोनों पक्षों के खिलाफस्न्ङ्क्रदर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

राजनांदगांव में विजिबल पुलिसिंग, 9 बदमाश गिरफ्तार, अभियान जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में 'विजिबल पुलिसिंग' अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत शहर में रात्रि गश्त कर असामाजिक तत्वों, गुंडा-बदमाशों, शराब तस्करों और वारंटियों के खिलाफ विशेष कार्रवाई की गई। एसपी अंकिता शर्मा के पदभार संभालने के बाद पुलिस विभाग में निचले स्तर पर बदलाव किए गए हैं। कई थानों से पुराने आरक्षकों को हटाकर नए आरक्षकों को तैनात किया गया है, जिससे आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिल रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के नेतृत्व में इस अभियान के लिए 3 राजपत्रित अधिकारी, 6 इंस्पेक्टर और लगभग 100 पुलिस जवानों की 4 टीमें गठित की गईं। इन टीमों ने थाना बसंतपुर और लालबाग क्षेत्र के चिन्हित एवं संदिग्ध इलाकों में सघन गश्त कर दबिश दी।

इन इलाकों में की गई कार्रवाई

रात्रि गश्त के दौरान, पुलिस बल ने थाना बसंतपुर क्षेत्र के डबरीपारा, कुआंचौक, नंदई, चौखड़ियापारा, इंदरानगर, बांसपाईपारा, सागरपारा, ब्राम्हणपारा, प्रभातनगर, बंगालीचाल, शिकारीपारा, शिवनगर जैसे स्लम क्षेत्रों का दौरा किया। इसके अलावा थाना लालबाग के पेंड्री और रेवाडीह में भी गुंडा-बदमाशों, निगरानी बदमाशों, स्थायी और गिरफ्तारी वारंटियों के घरों की जांच की गई। इस कार्रवाई में कुल 59 गुंडा-बदमाशों की जांच की गई। इनमें से 3 फरार आरोपी, 2 स्थायी वारंटी और 4 आदतन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। इस प्रकार, कुल 9 बदमाशों को पुलिस ने हिरासत में लिया।

कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश

एसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि 'विजिबल पुलिसिंग' के तहत जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं। उन्हें अपने-अपने क्षेत्र में नियमित रूप से संध्या और रात्रि गश्त करने, असामाजिक तत्वों व अपराधियों पर निगरानी रखने तथा किसी भी आपराधिक गतिविधि पर कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसी कार्रवाइयां निरंतर जारी रहेंगी। ताकि शहर में शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण बनाए रखा जा सके। इस पहल से अपराधियों में भय और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ने की उम्मीद है।

सक्ती के सरकारी अस्पताल में नल की चोरीः भागने की फिराक में था आरोपी, गिरफ्तार कर भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। सक्ती जिले के शासकीय अस्पताल में चोरी का प्रयास करने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लगभग 5500 रुपए मूल्य के पांच स्टील के नल बरामद किए हैं। यह घटना सक्ती थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, 30 अक्टूबर को जिला अस्पताल के स्वीपर गोपाल सागर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि सफाई के दौरान बच्चों के वार्ड क्रमांक 14 में उन्होंने राजापारा, सक्ती निवासी दुर्गेश बरेठ को बाथरूम से नल निकालते हुए देखा। पानी बहने की आवाज सुनकर जब गोपाल सागर ने उससे पूछताछ की, तो आरोपी भागने का प्रयास करने लगा। ड्यूटी पर मौजूद अन्य कर्मचारियों की मदद से उसे पकड़ लिया गया और पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी दुर्गेश बरेठ के पास से पांच स्टील के नल जब्त किए। पुलिस ने उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 396/2025, धारा 305(ई) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी के इरादे से नल निकालने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक लखन लाल पटेल के नेतृत्व में उप निरीक्षक अनवर अली, प्रधान आरक्षक शब्बीर मेमन, आरक्षक प्रमोद खाखा, बृजमोहन नेताम और ब्रजसेन लहरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ओडिशा से ला रहा था 257 किलो गांजा, पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। घरघोड़ा पुलिस ने गांजा की तस्करी कर रहे युवक को घेराबंदी कर पकड़ा है। गुरुवार की देर शाम पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की ओडिशा से सफेद रंग की कार में भारी मात्रा में गांजा की तस्करी हो रही है।

जिसे घरघोड़ा-लैलूंगा बिक्री के लिए लाया जा रहा था। पुलिस ने सूचना के बाद घेराबंदी कर पुलिस टीम ने एक हुंडई कार में गांजा तस्करी कर रहे युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान संतोष दास (26 वर्ष) निवासी ग्राम चीताबहार थाना दरिमा, जिला सरगुजा के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार कार की तलाशी लेने पर उसमें एक-एक किलो के 250 पैकेट गांजा वजन 257.5 किलोग्राम बरामद हुआ। आरोपी से तस्करी में प्रयुक्त हुंडई कार और वीवो मोबाइल भी जब्त किया गया। आरोपी से प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को तस्करी नेटवर्क से संबंधित कई अहम जानकारियां प्राप्त हुई हैं।

जिस पर पुलिस गहराई से जांच कर जड़ तक पहुंचने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने बताया कि सीमावर्ती उड़ीसा प्रांत से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए सभी थाना और चौकी प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए हैं।

इन्हीं निर्देशों के पालन में ट्रैफिक्र डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह को उड़ीसा से कार में गांजा परिवहन की सूचना मुखबिर से मिली थी, जिसके बाद सूचना को साइबर सेल और थाना घरघोड़ा तथा पूंजीपथरा पुलिस के साथ साझा कर कार्रवाई की गई।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)
Email id: ee-res.durg@gov.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-13

ज्ञा.क्रं. 2745 / व.ले.लि. / ग्रा.यां.से. / 2025-26 दुर्ग, दिनांक 30/10/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
01	ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग दुर्ग अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2025-26 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रूपये 25.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करना। (जोनल निविदा ग्रुप क्र. 14, 22, 26 एवं 27) STN. 178311, 178313, 178314, 178315	40.00 लाख प्रति ग्रुप

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 30.10.2025 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 08.11.2025 तक है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

जी- 252604465/5

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

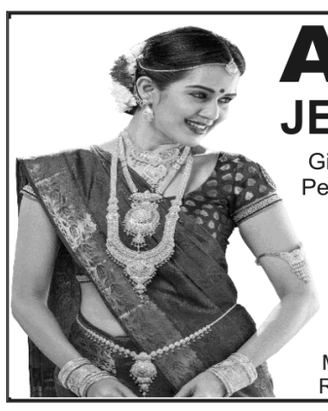

Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह
आगे चला गया है पिछले दस वर्षो से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

छत्तीसगढ़ की गौरवशाली यात्रा के

रजत जयंती वर्ष

के ऐतिहासिक अवसर पर

छत्तीसगढ़ की नई पहचान

नवीन विधानसभा भवन का

लोकार्पण

यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के कर कमलों से

होने पर समस्त छत्तीसगढ़वासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

शनिवार, 01 नवंबर 2025

नवीन विधानसभा परिसर, नया रायपुर

RO-45736/93

विनीत : छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950